▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 269 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 27-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 उत्तर प्रदेश पुलिस अब देश का बेहतरीन पुलिस बल : योगी

6 लोकप्रियता से विवाद तक का सफर

7 गृहणियों को 'घर का सुपरस्टार' मानते हैं अक्षय कुमार

फर्स्ट टेक

शिवाजी महाराज पर टिप्पणी को लेकर धीरेंद्र शास्त्री ने मांगी माफी

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र में विरोध के बीच बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज पर अपनी टिप्पणी को लेकर रविवार को गहरा खेद जताते हुए कहा कि उनके बयान को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान शास्त्री के उस कथित बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि शिवाजी महाराज युद्ध से थककर अपनी जिम्मेदारियां छोड़ना चाहते थे और अपने 'गुरु' समर्थ रामदास के पास मुकुट लेकर पहुंचे थे। नागपुर में रविवार को संवाददाता सम्मेलन में शास्त्री ने कहा कि शिवाजी महाराज के बारे में उनकी बातों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया। यदि मेरी बातों से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं इसके लिए बेहद क्षमाप्रार्थी हूं।

चंद्रबाबू नायडू को 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार मिला

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को एक मीडिया घराने ने 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार दिया है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान दर्शाता है कि आंध्र प्रदेश में शासन सुधारों और नीतिगत पहलों के चलते राज्य निवेश और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नायडू ने शनिवार देर रात 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैं 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इसे प्राप्त करना सम्मान और सौभाग्य की बात है। यह पुरस्कार आंध्र प्रदेश की जनता और उन सभी लोगों का है, जिन्होंने इस सफलता में योगदान दिया।''

इंजन में आई खराबी के कारण रोका गया स्विस एयरलाइन का विमान

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली हवाई अड्डे से 245 यात्रियों को लेकर ज्यूरिख जाने के लिए निर्धारित 'स्विस इंटरनेशनल एयरलाइन' के एक विमान को आधी रात के बाद रविवार को उड़ान भरने के दौरान आई तकनीकी खराबी के कारण रोक दिया गया, जिसके बाद पूर्ण आपात स्थिति घोषित कर रनवे पर ही यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा जिसमें चार यात्री घायल हो गए। एयरलाइन ने यह जानकारी दी। घटना रात करीब एक बजे हुई और उस समय ए330-300 विमान (पंजीकरण एचबी-जेएचके) में चार शिशुओं सहित 232 यात्री और चालक दल के 13 सदस्य सवार थे।

27-04-2026	28-04-2026
सूर्यास्त 6:23 बजे	सूर्योदय 5:49 बजे

BSE	NSE
76,664.21	23,897.95
(-999.79)	(-275.10)

सोना	चांदी
15,861 रु.	255,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ये पब्लिक है

संकेतों का विश्लेषण कर,
समझे हम जन मन की भाषा।
शब्दों की सिर्फ जुगाली से,
ना मिटती भूखों की आशा।
हर बार सफल ना हो सकता,
शकुनि के पाशों का पाशा।
जनसेवक केवल जुमलों से,
जनता को ना दे सकते झाँसा।।

मेराथॉन

रविवार को आयोजित टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलूरु 2026 मेराथॉन में 35,000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया। वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल की इस 18वीं रेस में विभिन्न श्रेणियों में रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन देखने को मिला।

कॉरपोरेट प्रभाव की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा

विकास से स्थानीय लोगों को लाभ होना चाहिए, न कि कॉरपोरेट को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्री विजयपुरम/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कथित कॉरपोरेट प्रभाव की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि विकास में व्यावसायिक हितों के बजाय स्थानीय जरूरतों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

यहां डॉ. बी आर आंबेडकर सभागार में प्रदेश कांग्रेस के सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि बड़े व्यापारिक समूह विशेष रूप से ग्रेट निकोबार की अवसंरचना परियोजनाओं के संदर्भ में द्वीपसमूह पर नजर गड़ाए हुए हैं, लेकिन विकास में द्वीपवासियों की भावनाओं और कल्याण की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

रविवार सुबह यहां पहुंचे गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखे हमले करते हुए शासन व्यवस्था और कथित अनुचित कॉरपोरेट प्रभाव को लेकर चिंता जताई। अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप समूह के 'इंदिरा प्वाइंट' से यात्रा शुरू न करके उन्होंने ''गलती की।'' उन्होंने इसे प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण बताया।

हाल में दिल्ली में द्वीपों के आदिवासी नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 'ग्रेट निकोबार इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट' के संबंध में उनकी चिंताओं को सुनने के बाद, उन्होंने स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए व्यक्तिगत रूप से द्वीपों का दौरा करने का फैसला किया।

चारमीनार एक्सप्रेस के पहिये से निकला धुआं

हैदराबाद/भाषा। चारमीनार एक्सप्रेस के एक डिब्बे के पहिए से धुआं और चिंगारियां निकलने के बाद उसे तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरि जिले में एक रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि 25 अप्रैल को हुई इस घटना में कोई नुकसान या हताहत नहीं हुआ और यह घटना ब्रेक बाइंडिंग के कारण हुई थी। 'ब्रेक बाइंडिंग' से तात्पर्य है कि ट्रेन के पहियों पर लगे ब्रेक ठीक से खुल नहीं पाते और आंशिक रूप से दबे रह जाते हैं जिससे घर्षण बढ़ता है तथा इस कारण धुआं या चिंगारियां निकल सकती हैं।

एआई कोई खतरा नहीं : श्रीकांत वेलामकन्नी

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र के शीर्ष संगठन नैसकॉम के चेयरमैन श्रीकांत वेलामकन्नी ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए खतरा नहीं है, बल्कि यह इसके विकास को गति देगा और रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।

नैसकॉम (नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज) के शीर्ष नेतृत्व की जिम्मेदारी ऐसे समय में श्रीकांत वेलामकन्नी ने संभाली है, जब भारतीय आईटी उद्योग भू-राजनीतिक अस्थिरता और कृत्रिम मेधा (एआई) से उत्पन्न बदलाव जैसी दोहरी चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, एआई भारत के प्रौद्योगिकी उद्योग को गति देगा। यह हमारे प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए कोई खतरा नहीं है। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है। अगर इसे सही तरीके से समझा जाए, तो हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं क्योंकि पहला, इससे प्रदर्शन में काफी सुधार होगा। दूसरा, इस उद्योग के भविष्य को लेकर भरोसा और मजबूत होगा। प्रौद्योगिकी उद्योग का भविष्य बहुत उज्ज्वल है और मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि नैसकॉम में मेरे कार्यकाल के दौरान दुनिया इसे पहचाने।

ट्रंप के रात्रिभोज कार्यक्रम में चली गोलियां, एक गिरफ्तार

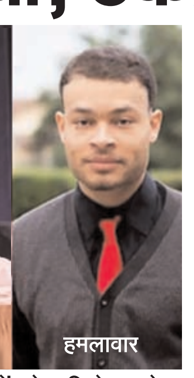

हमलावार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के वार्षिक रात्रिभोज के दौरान होटल के बॉलरूम के बाहर एक हथियारबंद व्यक्ति द्वारा गोलीबारी किए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य शीर्ष अधिकारियों को सुरक्षा कर्मियों ने वहां से सुरक्षित बाहर निकाला।

यह घटना शनिवार रात करीब 8:34 बजे की है, जब मेहमानों को रात्रिभोज परोसा जा रहा था। उस समय राष्ट्रपति ट्रंप, एसोसिएशन की अध्यक्ष वेइजिया जियांग और 'मेंटलिस्ट' ओज पर्लमैन के साथ बातचीत करते नजर आ रहे थे। पर्लमैन वाशिंगटन हिल्टन में आयोजित इस मुख्य कार्यक्रम में अपना शो पेश करने वाले थे। खुफिया सेवा के अधिकारियों और अन्य सुरक्षाकर्मियों ने राष्ट्रपति, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और द्वितीय महिला उषा वेंस को सुरक्षा घेरा बना कक्ष से बाहर ले गए।

अमेरिका और ईरान के अधिकारी फोन पर बात कर सकते हैं : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिकी और ईरानी अधिकारी संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए फोन पर बातचीत कर सकते हैं। ट्रंप ने 'फॉक्स न्यूज चैनल' पर एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने उड़ान में 17 घंटे का समय लगाकर प्रतिनिधिमंडल भेजने के बजाय यह निर्णय लिया। उन्होंने कहा, ''हमारे पास सभी विकल्प मौजूद हैं। अगर वे बात करना चाहते हैं, तो वे हमारे पास आ सकते हैं, या वे हमें फोन कर सकते हैं।''

शनिवार को वार्ता तब विफल होती दिखी, जब तेहरान के शीर्ष राजनयिक पाकिस्तान से रवाना हो गये थे। इसके तुरंत बाद ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दूतों को इस्लामाबाद की यात्रा न करने के लिए कहा था।

भाजपा महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर अपना हमला तेज करते हुए उस पर अराजकता की संस्कृति को बढ़ावा देने, महिलाओं की सुरक्षा करने में विफल रहने और प्रशासन चलाने के लिए आपराधिक तत्वों पर निर्भर रहने का आरोप लगाया, साथ ही विधानसभा चुनावों के बाद भाजपा के सत्ता में आने पर व्यापक बदलावों का वादा किया।

राज्य चुनावों के लिए प्रचार के अंतिम दिन से एक दिन पहले उत्तर 24 परगना और हुगली जिलों में रैलियों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर महिलाओं को प्रताड़ित करने वाले गुंडों को पनाह देने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा द्वारा संदेशखलि की रेखा पात्रा और आर जी कर अस्पताल की पीड़िता की मां को चुनाव में टिकट देना महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में तृणमूल सरकार राज्य सचिवालय से नहीं बल्कि पार्टी द्वारा संरक्षित अपराधियों द्वारा चलाई जा रही है, और कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की राज्य में शासन करने के लिए असामाजिक तत्वों पर निर्भरता अक्सर कलकत्ता उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करने और प्रशासन को वापस पटरी पर लाने के लिए मजबूर करती है।

ममता बनर्जी के नाम का स्पष्ट विलोम शब्द गढ़ते हुए, प्रधानमंत्री ने सत्तारूढ़ दल को निर्मम सरकार बताया जो भय और धमकियों पर पनपती है।

'सत्ता केवल सद्‌गुण के साथ ही लाभकारी होती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि सत्ता तभी लाभकारी होती है जब उसके साथ सद्गुण भी हो।

नागपुर में 'नाग भूषण पुरस्कार' वितरण समारोह को संबोधित करते हुए भागवत ने पुरस्कार पाने वालों की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक प्रतिभा 10 प्रतिशत प्रेरणा और 90 प्रतिशत परिश्रम का परिणाम होती है।

वर्ष 2025 का ये पुरस्कार सोलर ग्रुप के अध्यक्ष तथा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित सत्यनारायण नुवाल को प्रदान किया गया। उन्हें रक्षा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और समर्पित निस्वार्थ सामाजिक सेवा के लिए यह पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2025 का 'युवा नाग भूषण पुरस्कार' 'यंग आयरन मैन' श्रेणी में दक्ष खांटे को प्रदान किया गया।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, सत्ता तभी लाभकारी होती है जब उसके साथ सद्गुण भी हो। हमें सद्गुणों से सुशोभित सत्ता की आवश्यकता है।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी...

कल से बारिश से कुछ राहत मिलने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर भारत के राज्य रविवार को लगातार लू की स्थिति से जूझते रहे, जहां राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पंजाब में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहा। हालांकि, एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 28 अप्रैल से तेज हवाएं चलने और बारिश होने का अनुमान है, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों तक गर्म मौसम जारी रहने का अनुमान है और लोगों को लंबे समय तक धूप में न निकलने की सलाह दी है। ऊर्जा मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भीषण गर्मी के कारण शनिवार को भारत में बिजली की अधिकतम मांग 256.11 गीगावाट के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिससे एयर कंडीशनर (एसी) और कूलर का उपयोग बढ़ गया। इसने शुक्रवार को बने 252.07 गीगावाट के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

दिल्ली में रविवार को अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.1 डिग्री अधिक है। रिज क्षेत्र में सबसे अधिक 43.5 डिग्री तापमान रहा।

मौसम विभाग ने सोमवार के लिए शहर में लू जैसी स्थिति का 'येलो अलर्ट' जारी किया है और अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है।

उत्तर प्रदेश में रविवार को कई स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही, जिसमें बांदा 46.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म रहा।

भीषण गर्मी का असर अयोध्या में भी देखा गया, जहां राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या रोजाना एक लाख से घटकर 40,000 से नीचे आ गई है।

राजस्थान के कई हिस्से लू की चपेट में रहे, जहां अधिकांश इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया। बाड़मेर और जैसलमेर 46 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहे, जबकि कोटा और चित्तौड़गढ़ में पारा 45.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

हिमाचल प्रदेश के ऊना और धर्मशाला में भी भीषण लू चली। मौसम विभाग द्वारा कुल्लू, कांगड़ा और मंडी के लिए सोमवार को लू का 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है।

तकनीकी खामी के बाद एअर इंडिया के विमान को भोपाल में उतारा गया

भोपाल/भाषा। मुंबई से 175 लोगों को लेकर भोपाल आ रहे एअर इंडिया के एक विमान को तकनीकी गड़बड़ी के कारण रविवार को प्राथमिकता के आधार पर यहां के राजा भोज हवाईअड्डे पर उतारा गया। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान अपराह्न तीन बजकर 20 मिनट पर भोपाल हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। अधिकारी ने बताया कि विमान को भोपाल से मुंबई के लिए वापस लौटना था लेकिन उड़ान रद्द कर दी गई। इस उड़ान के लिए 178 यात्रियों की बुकिंग हुई थी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा संचालित भोपाल हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 633 ने मुंबई से भोपाल की उड़ान के दौरान हवाई यातायात्रा नियंत्रण (एटीसी) को तकनीकी खराबी की सूचना दी। हवाई अड्डा संचालक ने बताया कि 166 यात्रियों और चालक दल के नौ सदस्यों सहित 175 लोगों को लेकर विमान अपराह्न तीन बजकर 20 मिनट पर भोपाल हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरा।

नाइट राइडर्स ने सुपर ओवर में लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया

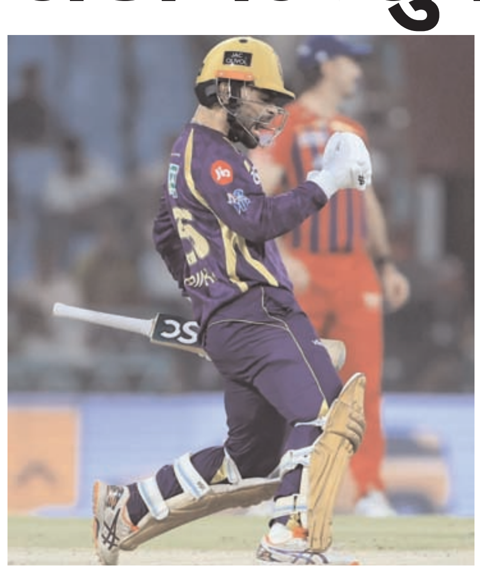

लखनऊ/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिंकू सिंह के तूफानी अर्धशतक और वैभव अरोड़ा की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बावजूद सुपर ओवर में खिंचे इंडियन प्रीमियर लीग मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को हरा दिया।

सुपर ओवर में नाइट राइडर्स के सुनील नारायण ने पहली ही गेंद पर निकोलस पूरन को बोल्ड किया। अगली गेंद पर कप्तान ऋषभ पंत ने एक रन बनाया लेकिन तीसरी गेंद पर एडेन मारक्रम को रिंकू ने लपक लिया। नाइट राइडर्स को दो रन का लक्ष्य मिला और रिंकू ने प्रिंस यादव की पहली गेंद पर चौके के साथ टीम को जीत दिला दी।

लगातार दूसरी जीत के साथ नाइट राइडर्स की टीम पांच अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गई जबकि सुपर जाइंट्स की टीम चार अंक के साथ 10वें और अंतिम स्थान पर खिसक गई। लखनऊ सुपर जाइंट्स की टीम ने 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान ऋषभ पंत (42) और सलामी बल्लेबाज एडेन मारक्रम (31) की उम्दा पारियों से आठ विकेट पर 155 रन बनाए जिससे मैच सुपर ओवर में खिंचा।

नाइट राइडर्स की ओर से अरोड़ा (24 रन पर दो विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (33 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए।

रिंकू (नाबाद 83, 51 गेंद, पांच छक्कों और सात चौके) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और उनकी कैमरन ग्रीन (34) के साथ पांचवें विकेट के लिए 42 तथा सुनील नारायण (नाबाद 04) के साथ आठवें विकेट के लिए 30 गेंद में 62 रन की अटूट साझेदारी से नाइट राइडर्स ने सात विकेट पर 155 बनाए।

कविता अपनी खुद की टीआरएस लेकर आईं, क्या बीआरएस की संभावनाओं को होगा नुकसान?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने अपनी पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना रखा है, जिसका संक्षिप्त नाम टीआरएस है, जो भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की असली पहचान से मिलता-जुलता है। इससे यह बहस छिड़ गई है कि क्या ये उनके पिता की पार्टी के हितों को नुकसान हो सकता है।

कविता के पिता के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का मूल नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) था, जो तेलंगाना राज्य के मुद्दे से जुड़ी भावनाओं के अनुरूप था। हालांकि, केसीआर की देश भर में पार्टी का विस्तार करने की महत्वाकांक्षी योजना के बाद 2022 में इसका नाम बदलकर बीआरएस कर दिया गया। टीआरएस का नाम बदलकर बीआरएस करना लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव खोने और तेलंगाना राज्य की दशकों पुरानी आकांक्षा को तोड़ने के रूप में देखा गया। नाम परिवर्तन को 2023 के विधानसभा चुनावों में बीआरएस की हार के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है, जिससे दक्षिणी राज्य में क्षेत्रीय पार्टी के एक दशक के शासन का अंत हो गया।

शनिवार को धूमधाम से अपने संगठन का नाम टीआरएस रखना, कविता द्वारा अपने पिता और मूल टीआरएस की विरासत पर दावा करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। बीआरएस से उनका बाहर निकलना कटुतापूर्ण था क्योंकि

निजामाबाद की पूर्व सांसद कविता को एक सिंचाई परियोजना को लेकर उनके चचेरे भाइयों और पार्टी नेताओं, टी. हरीश राव और जे. संतोष कुमार की आलोचना करने के लिए निलंबित कर दिया गया था।

राजनीतिक विश्लेषक तेलकापल्ली रवि ने कहा कि कविता बीआरएस के असंतुष्ट और नाराज तत्वों के लिए एक एकजुटता का केंद्र बन सकती हैं, क्योंकि उनकी पार्टी का नाम टीआरएस है। उन्होंने 'पीटीआई भाषा' को बताया, कुछ समय पहले जब कविता ने संकेत दिया था कि उनकी पार्टी का नाम टीआरएस होगा, तो बीआरएस ने तुरंत कहा कि वे अपना मूल नाम ही रखने की कोशिश करेंगे। यह एक राजनीतिक नेता के लिए एक तरह का प्रोत्साहन है। वह इसे अपनी पहली जीत भी बता सकती हैं।

रवि ने आगे कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस को उतना ही फायदा होगा जितना वह बीआरएस की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाएंगी। उन्होंने हालांकि कहा कि कविता के कांग्रेस और बीआरएस दोनों को चुनौती देने वाली एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि कविता की पार्टी भाजपा को कुछ हद तक प्रभावित कर सकती है क्योंकि तेलंगाना पहचान के कट्टर समर्थक कांग्रेस और बीआरएस को वोट नहीं देना चाहते हैं तो वे उनकी पार्टी को चुन सकते हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, कविता अलग-अलग मुद्दों पर भाजपा पर हमला करने का विकल्प भी चुन सकती हैं।

शीर्ष आठ शहरों में किफायती घरों की बिक्री में 23 प्रतिशत की गिरावट : नाइट फ्रैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जनवरी-मार्च 2026 के दौरान 50 लाख रुपए से कम कीमत वाले किफायती घरों की बिक्री में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 23 प्रतिशत की आई गिरावट

नई दिल्ली/भाषा। देश के शीर्ष आठ शहरों में जनवरी-मार्च-2026 के दौरान 50 लाख रुपए से कम कीमत वाले किफायती घरों की बिक्री में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 23 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह घटकर 16,273 इकाई रह गई। रियल एस्टेट परामर्शदाता नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट में यह बात कही गई।

रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरावट का मुख्य कारण इस मूल्य वर्ग में नई आपूर्ति की कमी बताया गया है। कोविड महामारी के बाद से महंगे और आलीशान घरों की मांग में तेजी देखी गई है। बिल्डर की ओर से किफायती आवास क्षेत्र में कम परियोजनाएं लाई जा रही हैं और इसकी वजह निर्माण लागत में बढ़ोतरी, विशेष रूप से भूमि की ऊंची कीमतों को बताया जा रहा है। नाइट फ्रैंक इंडिया की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष जनवरी-मार्च तिमाही में किफायती आवास खंड में सबसे तेज 23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और सभी आठ प्रमुख शहरों में बिक्री में कमी आई।

आंकड़ों के अनुसार, 50 लाख से एक करोड़ रुपए की श्रेणी में भी 2025 की शुरुआती तिमाही के मुकाबले इस साल 12 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह घटकर 23,567 इकाई रह गई। नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, पुणे, बेंगलूरु, हैदराबाद, चेन्नई, अहमदाबाद और कोलकाता की मांग पर आधारित है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इसके विपरीत, एक से दो करोड़ रुपए की श्रेणी में बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 24,657 इकाई हो गई। दो से पांच करोड़ रुपए की श्रेणी में 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,075 इकाई की बिक्री हुई।

वहीं पांच से 10 करोड़ रुपए की श्रेणी में बिक्री तीन प्रतिशत घटकर 3,338 इकाई रह गई, जबकि 10-20 करोड़ रुपए की श्रेणी में 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 738 इकाई की बिक्री हुई। 20-50 करोड़ रुपए की श्रेणी में बिक्री 80 प्रतिशत बढ़कर 165 इकाई हो गई।

केदारनाथ में जेबकतरी, चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

रुद्रप्रयाग/भाषा। उत्तराखंड के केदारनाथ में भीड़ का फायदा उठाकर जेबकतरी और चोरी करने वाले एक गिरोह के भंडाफोड़ का दावा करते हुए पुलिस ने उसके दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि आरोपियों के पास से श्रद्धालुओं के कई पर्स, नकदी, हैंडबैग तथा दस्तावेज बरामद किए गए हैं ।

पुलिस ने बताया कि केदारनाथ में पुलिसकर्मियों को शनिवार को घोड़ापड़ाव क्षेत्र में खड़े दो व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत हुए जिन्हें पकड़े जाने पर खुलासा हुआ कि वे यात्रियों का सामान चोरी करने की फिराक में थे। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया जिनकी पहचान पंजाब के लुधियाना के रहने वाले राजन कुमार और सन्नी कुमार के रूप में हुई है । पुलिस के अनुसार दोनों के कब्जे से विभिन्न तीर्थयात्रियों के आधार कार्ड और एटीएम कार्ड, गुजरात के श्रद्धालुओं के ड्राइविंग लाइसेंस और मतदाता पहचान पत्र, अनेक पर्स और हैंडबैग तथा कुल 5,450 रुपए की नकदी बरामद की गई है । दोनों आरोपियों के खिलाफ सोनप्रयाग थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है । पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एक संगठित गिरोह के रूप में काम करते हैं और भीड़भाड़ वाले स्थानों या मंदिरों में दर्शन की लाइनों में यात्रियों के पीछे खड़े हो जाते हैं एवं उनके बैग या जेब से कीमती सामान निकाल लेते हैं ।

आप ने सात सांसदों की सदस्यता समाप्त करने का अनुरोध राज्यसभा सभापति से किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने रविवार को राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन को एक पत्र भेजकर उच्च सदन के उन सात सांसदों को अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया है, जिन्होंने हाल ही में 'आप' छोड़कर भाजपा में विलय की घोषणा की है।

सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि राज्यसभा के सात सदस्यों द्वारा उठाया गया कदम दल-बदल के समान है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर पार्टी इस मामले में कानूनी कदम उठाएगी।

'आप' ने पार्टी छोड़ने वाले सात सांसदों की सदस्यता समाप्त करने का अनुरोध राज्यसभा सभापति से किया है और दावा किया है कि वे (सांसद) आप की टिकट पर उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुए थे लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी छोड़ने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का फैसला किया।

'आप' को शुक्रवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल ने पार्टी छोड़ दी तथा भाजपा में शामिल हो गए। इन सांसदों ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों से भटक गई है।

चड्ढा ने कहा, ''संविधान के अनुसार, किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में विलय कर सकते हैं।'' उन्होंने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के कुल 10 सदस्य हैं।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सिंह ने दावा किया कि उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश से संबंधित मामलों सहित उच्चतम न्यायालय के कई फैसलों में यह स्पष्ट किया गया है कि दलबदल के ऐसे मामलों में किस तरह पद से अयोग्य ठहराया जा सकता है। उन्होंने संविधान की दसवीं अनुसूची का हवाला देते हुए कहा, ''इसमें स्पष्ट रूप से इस तरह के राजनीतिक दल-बदल की अनुमति नहीं है।'' सिंह ने कहा, ''जरूरत पड़ने पर आम आदमी पार्टी इस मामले को अदालत में ले जाएगी। इन सदस्यों को पार्टी ने चुना था, लेकिन बाद में उन्होंने पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होने का फैसला किया। यह पंजाब की जनता और भारत के संविधान के साथ विश्वासघात है।'' पार्टी छोड़ने वाले सात सांसदों में से छह पंजाब से राज्यसभा सदस्य हैं।

देशहित में सभी को एक साथ आना चाहिए : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटरा/जम्मू/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी (आप) के कई विधायकों के भाजपा में शामिल होने पर रविवार को तंज कसते हुए कहा कि ''समय के साथ सबको समझ आ जाती है''।

गुप्ता ने यहां माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में यह टिप्पणी की।

राज्यसभा सदस्य और 'आप' नेता राघव चड्ढा शुक्रवार को पार्टी के छह अन्य सांसदों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए गुप्ता ने कहा, ''समय के साथ सबको समझ आ जाती है। मेरा मानना है कि देशहित में सभी को एक साथ आना चाहिए, ताकि सभी नागरिक आगे बढ़ सकें और मिलकर काम कर सकें, यही सही रास्ता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं

प्रार्थना करती हूं कि माता रानी सभी भारतीयों पर अपनी कृपा बनाए रखें और देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार प्रगति करता रहे। हर राज्य और हर नागरिक आगे बढ़े।''

जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए उन्होंने कहा, ''माता रानी का आशीर्वाद हमेशा उनपर बना रहे। मैं उनकी समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और सुरक्षा की कामना करती हूं।'' इससे पहले वैष्णो देवी यात्रा के आधार शिविर कटरा पहुंचने पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली की मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

स्वच्छ ऊर्जा, स्वदेशी प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता दर्शाती है: सावंत

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो संबोधन 'मन की बात' सुनने के बाद कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और स्वदेशी प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति देश की बढ़ती आत्मनिर्भरता को दर्शाती है। सावंत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कलपक्कम में स्वदेशी रूप से विकसित 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' के क्रांतिकता (क्रिटिकैलिटी) हासिल करने पर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों का उल्लेख किया जो देश के असैन्य परमाणु ऊर्जा सफर में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा 56 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता का आंकड़ा पार करने का भी उल्लेख किया, जो स्वच्छ और सतत ऊर्जा की दिशा में देश की निरंतर प्रगति को रेखांकित करता है। सावंत ने कहा कि प्रसारण के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर राज्यों में बांस क्षेत्र में उभरते अवसरों, यूरोपियन गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड में भारतीय छात्राओं के प्रदर्शन के बारे में भी बात की और नागरिकों से आगामी डिजिटल जनगणना 2027 में भाग लेने का आग्रह किया।

तेलंगाना में जनगणना-2027 के लिए स्व-गणना की शुरुआत

हैदराबाद/भाषा। भारत की जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना (सेल्फ-एन्यूमरेशन) चरण की शुरुआत रविवार को तेलंगाना में हो गई। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने यहां लोक भवन में ऑनलाइन स्व-गणना सुविधा के जरिए पंजीकरण कर राज्य में जनगणना-2027 की औपचारिक शुरुआत की। लोक भवन की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक इस अवसर पर राज्य के लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया है, जो जनसंख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करता है।

शुक्ला ने कहा कि यह योजना निर्माण, सुशासन और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण की आधारशिला है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। जनगणना शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और बुनियादी ढांचे से जुड़ी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सटीक आंकड़े सरकार को लक्षित कल्याणकारी योजनाएं तैयार करने और राष्ट्रीय प्रगति का प्रभावी आकलन करने में मदद करते हैं।

आंध्र प्रदेश में 421 पेट्रोल पंप बंद, नायडू ने कदम उठाने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को राज्य में ईंधन की कमी को दूर करने के लिए तत्काल उपाय करने का निर्देश दिया है। ईंधन की किल्लत के कारण राज्य में कई पेट्रोल पंप बंद हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने शनिवार देर रात मुंबई से अमरावती रवाना होने से पहले मुख्य सचिव साई प्रसाद और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस के माध्यम से स्थिति की समीक्षा की।

रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को

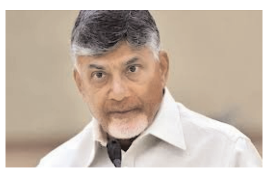

निर्देश दिया है कि वे किल्लत को दूर करने और जनता को होने वाली असुविधा को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएं।''

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य के 4,510 पेट्रोल पंप में से लगभग 421 आपूर्ति की कमी के कारण बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आपूर्ति में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन घबराहट में की जा रही खरीदारी के कारण मांग तेज़ी से बढ़ गई है, जिससे कई पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ देखी जा रही है। सामान्य दिनों में पेट्रोल की औसत बिक्री 6,330 किलोलीटर और डीजल की 9,048 किलोलीटर होती है, लेकिन किल्लत की आशंकाओं के चलते खरीद में काफी वृद्धि हुई है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को पेट्रोल की बिक्री 10,345 किलोलीटर और डीजल की बिक्री 14,156 किलोलीटर तक पहुंच गई। आपूर्ति में सुधार के बावजूद, उपभोक्ताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि घबराहट में खरीदारी के कारण कई पेट्रोल पंप पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि विशेषकर मत्स्य क्षेत्र के लिए ड्रम में थोक खरीदारी से पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

तोते खा गए किसान के अनार, अदालत ने सरकार को मुआवजा देने का निर्देश दिया

नागपुर/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार को तोतों द्वारा क्षतिग्रस्त अनार के पेड़ों के लिए एक किसान को मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने फैसला सुनाया है कि ये पक्षी वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत वन्य प्राणी हैं और राज्य को संपत्ति के नुकसान के लिए नागरिकों की भरपाई करनी होगी। न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी-फाल्के और निवेदिता मेहता की नागपुर पीठ ने कहा कि यदि संरक्षित प्रजातियों के कारण हुए नुकसान के लिए किसानों को मुआवजा नहीं दिया जाता तो वे ऐसे उपायों का सहारा ले सकते हैं जो वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे अधिनियम का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाता है जिसमें स्पष्ट रूप से तोतों को शामिल किया गया है। यह आदेश 24 अप्रैल को पारित किया गया था जिसकी प्रति रविवार को उपलब्ध कराई गई। अदालत ने वर्धा जिले के हिंगी गांव के किसान महादेव डेकाटे (70) द्वारा दायर याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि मई 2016 में पास के वन्यजीव अभ्यारण्य से आए जंगली तोतों ने उनके अनार के पेड़ों को नुकसान पहुंचाया था और इसके लिए मुआवजे की मांग की थी। अदालत ने सरकार को 200 पेड़ों को हुए नुकसान के लिए प्रति पेड़ 200 रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया है। राज्य सरकार ने याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि अतीत में जारी सरकारी प्रस्तावों में कहा गया है कि मुआवजा तभी दिया जा सकता है जब जंगली हाथी और भैंसे फलदार पेड़ों को नुकसान पहुंचाएं। हालांकि, अदालत ने इस तर्क को मानने से इनकार कर दिया और कहा कि ऐसे प्रस्तावों को जारी करने का उद्देश्य प्रभावित किसानों को नुकसान की भरपाई करना था।

गुरुग्राम: प्लास्टिक कारखाने में लगी भीषण आग आसपास के गोदामों तक फैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी से सटे गुरुग्राम के बजघेड़ा इलाके में रविवार को एक प्लास्टिक कारखाने और गोदाम में भीषण आग लग गई और इसने अपनी चपेट में आसपास की अन्य इकाइयों को भी ले लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग के मद्देनजर एहतियातन आसपास के इलाके को खाली करा लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, आग लगने की जानकारी सुबह करीब पांच बजे मिली। कारखाने के कर्मचारियों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें बढ़ती देख अग्निशन विभाग और पुलिस को सूचित किया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही आग बुझाने के लिए छह दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया और करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने एहतियात आसपास के इलाके को खाली करा लिया। उन्होंने बताया कि घने धुएं के कारण पास की छह आवासीय सोसाइटी में अफरा-तफरी की स्थिति देखी गई। अधिकारियों के मुताबिक कारखाने में लगी आग की चपेट में नजदीक में मौजूद लकड़ी के दो गोदाम भी आ गए। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।, हालांकि शॉर्ट-सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

एआई बदलाव के दौर में भारतीय आईटी क्षेत्र, शीर्ष पांच कंपनियों के मिले-जुले नतीजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की शीर्ष पांच कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, एचसीएलटेक, विप्रो और टेक महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2025-26 का समापन एक महत्वपूर्ण मोड़ पर किया है। ये कंपनियां वैश्विक आर्थिक दबाव, पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति और कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच बदलाव के दौर से गुजर रही हैं।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि आईटी क्षेत्र तेजी से पारंपरिक कार्य-प्रणाली से आगे बढ़ रहा है। एआई के कारण पुरानी आईटी सेवाओं से होने वाली आय पर दबाव पड़ रहा है, लेकिन इसकी भरपाई नई एआई-आधारित सेवाओं के बढ़ते अवसरों से हो रही है। अब कंपनियां बड़ी परियोजनाओं के बजाय परिणाम-आधारित और छोटे-छोटे हिस्सों में बंटे अनुबंधों पर अधिक ध्यान दे रही हैं। यह बदलाव कंपनियों के भविष्य के अनुमान और कर्मचारियों से जुड़े रुझानों में भी साफ दिख रहा है। जहां टीसीएस और इन्फोसिस को लगता है कि मुश्किल दौर अब कम हो रहा है, वहीं एचसीएलटेक और विप्रो ने आगे भी अनिश्चितता और कमजोर मांग की आशंका जताई है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले कुछ वर्षों में एआई के कारण पारंपरिक आईटी सेवाओं की आय हर साल दो से तीन प्रतिशत तक घट सकती है। हालांकि, 2030 तक एआई से जुड़ी सेवाओं का बाजार 300-400 अरब डॉलर तक बढ़ने की संभावना है।

टीसीएस ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 12.22 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 13,718 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। इस दौरान उसकी परिचालन आय 9.64 प्रतिशत बढ़कर 70,698 करोड़ रुपए रही। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा 49,210 करोड़ रुपए और आय 2.67 लाख करोड़ रुपए रही। कंपनी का कहना है कि वह नए वित्त वर्ष में सकारात्मक स्थिति के

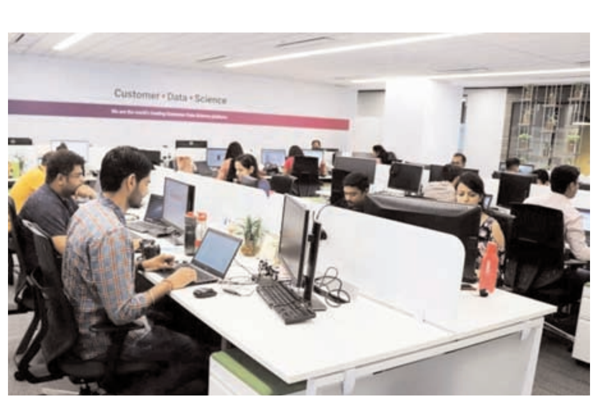

साथ प्रवेश कर रही है और हाल की अधिकांश चुनौतियां अब पीछे छूट चुकी हैं। एआई सेवाओं से उसकी सालाना आय 2.3 अरब डॉलर से अधिक हो चुकी है, जो कुल आय का छह प्रतिशत से ज्यादा है।

टीसीएस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के. कृतिवासन ने कहा कि नए सौदों पर हस्ताक्षर के दम पर टीसीएस सकारात्मक गति के साथ नए वित्त वर्ष में प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उसे जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, उनमें से अधिकांश काफी हद तक कम हो चुकी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया संकट का असर मुख्य रूप से यात्रा और परिवहन क्षेत्र के ग्राहकों तथा खाड़ी क्षेत्र में स्थित कंपनियों तक सीमित रहेगा। इन्फोसिस का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8,501 करोड़ रुपए रहा, जबकि आय 13.4 प्रतिशत बढ़कर 46,402 करोड़ रुपए रही।

पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 10.20 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 29,440 करोड़ रुपए और आय 9.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,78,650 करोड़ रुपए रही। कंपनी प्रबंधन ने माना कि एआई पारंपरिक सेवाओं को प्रभावित कर रहा है, लेकिन नई एआई सेवाओं की मांग से इसकी भरपाई हो रही है। इन्फोसिस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सलील पारेख ने कहा, ईरान युद्ध के कारण आर्थिक माहौल में बदलाव आया है, लेकिन स्थिति धीरे-धीरे स्थिर होती दिख रही है। जिन देशों में हमारा बड़ा बाजार है, वहां की अर्थव्यवस्था मजबूत है, निवेश हो रहा है और एआई तेजी से बढ़ रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएलटेक का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 4.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,488 करोड़ रुपए रहा जबकि आय 12.34 प्रतिशत बढ़कर 33,981 करोड़ रुपए रही। पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 4.30 प्रतिशत घटकर 16,642 करोड़ रुपए रह गया, जबकि आय 11.18 प्रतिशत बढ़कर 1,30,144 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी ने मांग के माहौल को अस्थिर बताया और कहा कि शुल्कों और कम होते खर्च के कारण स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। एचसीएलटेक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए एक से चार प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान दिया है।

कंपनी ने बताया कि एआई के कारण पारंपरिक सेवाओं में हर साल दो से तीन प्रतिशत की कमी आ रही है, हालांकि उन्नत एआई सेवाओं से आय बढ़ रही है। एचसीएलटेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सी. विजयकुमार ने कहा, तिमाही के दौरान कुछ क्षेत्रों में कमजोरी, कम खर्च और फैसलों में देरी के कारण प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा। हमारी नई एआई सेवाओं को बाजार में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और हमारा मुख्य लक्ष्य भविष्य में एआई से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाना है। कंपनी ने कहा कि पश्चिम एशिया में उसका कारोबार बहुत सीमित है और कुल आय में इसका योगदान लगभग एक प्रतिशत ही है। विप्रो का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 1.89% घटकर 3,501.8 करोड़ रुपए रह गया, जबकि आय 7.6% बढ़कर 24,236.3 करोड़ रुपए रही।

अंबुमणि ने केंद्र सरकार से तमिलनाडु के लिए बिजली आपूर्ति बरकरार रखने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) नेता अंबुमणि रामदास ने रविवार को केंद्र से अपील की कि तमिलनाडु को केंद्रीय बिजली उत्पादन स्टेशनों से प्राथमिकता के आधार पर की जाने वाली बिजली आपूर्ति बंद नहीं की जाए।

वह केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में जारी किए गए एक परिपत्र का उल्लेख कर रहे थे, जिसमें राज्य के सभी विद्युत बोर्ड को बताया गया था कि केंद्र सरकार के स्वामित्व वाले थर्मल और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से उत्पन्न अधिकांश बिजली को उत्पादन करने वाले राज्यों को आवंटित करने की प्रक्रिया खत्म की जाएगी।

अंबुमणि ने एक बयान में कहा कि केंद्र ने निर्णय लिया है कि इन संयंत्र से उत्पन्न बिजली को मूल्य निर्धारण के लिए प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से बेचा जाए। उन्होंने कहा, यह निर्णय स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि इससे न केवल राज्यों की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा, बल्कि इससे उनके अधिकारों का उल्लंघन भी होगा।

केरल में बढ़ी बिजली मांग, अतिरिक्त बिजली खरीदने की मंजूरी

तिरुवनंतपुरम। केरल विद्युत विनियामक आयोग ने गर्मी के मौसम में बढ़ी खपत को देखते हुए केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) को अतिरिक्त बिजली खरीदने की अनुमति दे दी है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, आयोग के चेयरमैन टी.के. जोस और सदस्य बी. प्रदीप ने शनिवार को केएसईबी की याचिका पर यह अनुमति दी।

बोर्ड ने अपनी याचिका में कहा था कि वैकल्पिक व्यवस्थाओं के बावजूद अप्रैल के अंतिम सप्ताह और मई 2026 की शुरुआत में राज्य को अधिकतम और औसत बिजली मांग में कमी का सामना करना पड़ रहा है। आयोग ने मार्च और अप्रैल 2026 के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए पाया कि अप्रैल के तीसरे सप्ताह के बाद कार्यदिवसों में अधिकतम मांग 5,900 से 6,000 मेगावाट के बीच रही, जबकि रात के समय मांग 4,500 से 5,000 मेगावाट के बीच रही।

कार्यदिवसों में औसत बिजली खपत 10 करोड़ यूनिट प्रतिदिन से अधिक रही, हालांकि दिन के समय मांग लगभग 3,500 मेगावाट रही। आयोग ने केएसईबी को अप्रैल के शेष दिनों और 15 मई 2026 तक (या स्थिति सामान्य होने तक) बिजली विनिमय के एक दिन पहले तय होने वाले बाजार (डे-अहेड बाजार) तथा उसी दिन जरूरत के अनुसार बिजली खरीदने वाले बाजार (इंट्रा-डे बाजार) से 250 मेगावाट तक अतिरिक्त बिजली खरीदने की अनुमति दी है। साथ ही, केएसईबी को निर्देश दिया गया है कि वह दैनिक बिजली स्थिति की निगरानी के लिए तुरंत व्यवस्था बनाए और 31 मई 2026 तक या स्थिति सामान्य होने तक शीर्ष प्रबंधन को नियमित जानकारी दे। आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि खरीद प्रक्रिया पूरी होने के एक सप्ताह के भीतर दिनवार विवरण, खर्च सहित, आयोग को प्रस्तुत किया जाए। राज्य में 17 अप्रैल को दैनिक बिजली खपत 11.61 करोड़ यूनिट के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि उसी दिन अधिकतम मांग 6,013 मेगावाट रही, जो अब तक का रिकॉर्ड है।

राज्य में कर्ज की चिंताजनक स्थिति : कुमारस्वामी

केन्द्रीय मंत्री तुरुवेकेरे में नए मंदिर के उद्घाटन में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुर। यहां कुणिगल के तुरुवेकेरे में रविवार को केन्द्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सीधे तौर पर इस सरकार पर आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने राज्य की फाइनेंशियल व्यवस्था को खराब कर दिया है। पैसे की कमी के कारण ग्रेटर बैंगलोर (जीबीए) चुनाव कराने के लिए भी उनके पास पैसे नहीं हैं।

उन्होंने बताया कि कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से ग्रेटर बैंगलोर अथॉरिटी (जीबीए) के चुनाव 30 जून के बजाय 30 सितंबर तक बढ़ाने का अनुरोध किया है। आयोग ने कोर्ट को बताया है कि स्टाफ जाति जनगणना और वोटर लिस्ट के रिवीजन में व्यस्त है और फंड की कमी इसकी वजह है, और आयोग ने राज्य सरकार से पैसे जारी नहीं किए हैं। राज्य सरकार वहां मुश्किल फाइनेंशियल हालत में है। केन्द्रीय मंत्री ने तुमकुर जिले के तुरुवेकेरे तालुक के सोरवनहल्ली गांवों और कुनिगल तालुक के मडप्पनहल्ली गांवों में नए मंदिरों के उद्घाटन कार्यक्रमों में हिस्सा लेते हुए यह बात कही। राज्य की कांग्रेस सरकार ने लोगों को मुफ्त गारंटी दी है, लेकिन इन गारंटी ने खजाना खाली कर दिया है। राज्य का कुल कर्ज पहले ही 7,26,000 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा हो चुका है। हर कन्नड़ नागरिक पर 1 लाख रुपये का कर्ज है। यह कर्ज कैसे चुकाया जाएगा? क्या ऐसी सरकार के लिए लोकल बॉडी चुनाव कराना मुमकिन होगा? तालुक और जिला पंचायत चुनाव नहीं होंगे। ग्रेटर बेंगलूरु चुनाव भी नहीं होंगे। कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग ने खुद कहा है कि यह सरकार कोर्ट को पैसा नहीं दे रही है। मंत्री ने कहा कि इससे बुरा और क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ राज्य के लोग पीने के पानी की समस्या से परेशान हैं, वहीं दूसरी तरफ, बेमौसम बारिश से फसलों को हुए भारी नुकसान पर ध्यान देने की बजाय राज्य की कांग्रेस सरकार सीएम की कुर्सी की लड़ाई में खो गई है। हम इस समय भीषण गर्मी देख रहे हैं। लोग लू की चपेट में हैं। बेमौसम ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि सरकार लोगों की मदद करने के लिए दौड़ रही है, लेकिन उनके लिए दया का एक शब्द भी नहीं बोल रही है।

उन्होंने कहा कि इस सरकार को लोगों का कोई डर नहीं है, और जो लोग राज कर रहे हैं, उन्हें लगता है कि वे सिर्फ गारंटी देकर उनकी जिंदगी सुधार सकते हैं। हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने स्वाभिमानी लोगों को परजीवी बना दिया है और उन्हें भीख मांगने की हालत में ला दिया है।

तुरुवेकेरे तालुक के सोरवनहल्ली गांव के श्री कलघट्टा देवी अम्मानवरा मंदिर के लोकार्पण समारोह में विधायक एम.टी. कृष्णप्पा, पार्टी नेता चंद्रेश, तुमकुर जिले के गऊड अध्यक्ष निंगप्पा, गुब्बी विधानसभा क्षेत्र के जेडीएस नेता नागराज और कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

मुंडाथिकोड विस्फोट :न्यायिक आयोग ने आतिशबाजी के तरीकों में बदलाव पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल में त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड स्थित पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट की जांच कर रहे न्यायिक आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति सी. एन. रामचंद्रन ने रविवार को कहा कि सुरक्षा बढ़ाने और ऐसे हादसों की गंभीरता कम करने के लिए आतिशबाजी के तरीकों में बदलाव पर विचार किया जाना चाहिए।

केरल उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश रामचंद्रन ने यहां अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जांच के तहत आयोग त्रिशूर जिला पुलिस प्रमुख और जिला कलेक्टर के साथ चर्चा करेगा।

उन्होंने कहा, ''इसके अलावा हम घायलों से मिलेंगे और उस स्थान का भी दौरा करेंगे, जहां विस्फोट हुए थे।'' रामचंद्रन ने कहा कि सरकार आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में नहीं है, बल्कि उसे अधिक सुरक्षित बनाना चाहती है।

उन्होंने कहा, यदि सरकार आतिशबाजी पर रोक लगाना चाहती है, तो वह इसके लिए कानून बना सकती है। हादसों के बाद भी ये कार्यक्रम जारी रहते हैं। इसलिए मुझे राज्य सरकार की ओर से इसे प्रतिबंधित करने की कोई मंशा नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि आतिशबाजी के तरीकों में बदलाव से जोखिम कम किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ''आतिशबाजी के स्वरूप को बदलना होगा। इसे अधिक प्रकाश-आधारित शो बनाया जाए तो हादसों को कम किया जा सकता है। कम से कम ऐसे हादसों की गंभीरता जरूर घटाई जा सकती है।''

वर्ष 2016 में पुट्टिंगल मंदिर में आतिशबाजी त्रासदी में 110 लोगों की मौत होने के बाद राज्य सरकार ने न्यायमूर्ति पी. एस. गोपीनाथन की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग गठित किया था, जिसने बाद में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। विपक्षी दलों ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि न्यायमूर्ति गोपीनाथन आयोग की सिफारिशों को अबतक लागू नहीं किया गया है। मुंडाथिकोड में 21 अप्रैल को त्रिशूर पूरम उत्सव के लिए थिरुवंबाडी देवस्वओम के वास्ते पटाखे तैयार करते समय कई विस्फोट हुए थे। घटनास्थल पर मौजूद 38 लोगों में से 15 की मौत हो चुकी है, जबकि चार लोग अब भी लापता हैं।

केरल में सांप के कांटने से दो महिलाओं की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर/इडुक्की। केरल के कन्नूर और इडुक्की में सांप के काटने से रविवार को दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पहला मामला कन्नूर जिले में थालीपरम्बा इलाके के मुथकुडा का है और मृतका की पहचान नफीसा (65) के रूप में की गई है। उसने बताया कि शुक्रवार को घर पर एक जहरीले सांप के काटने के बाद अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, नफीसा शुक्रवार को पूर्वाह्न करीब 11 बजे अपने घर में बेहोश पड़ी मिलीं और उन्हें तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया। बाद में अस्पताल ने पुष्टि की कि उन्हें सांप ने काटा था। पुलिस ने बताया कि उन्हें विषरोधी दवा दी गई थी और उन्हें जीवनरक्षक प्रणाली (वेंटिलेटर) पर रखा गया था। उसने बताया कि रविवार सुबह नफीसा की इलाज के दौरान मौत हो गई। चिकित्सकों ने संदेह जताया है कि नफीसा को संभवत: करैत सांप ने काटा था। पुलिस ने बताया कि इडुक्की जिले के कंजर में भी रविवार को अपराह्न 75 वर्षीय एक महिला की सांप के काटने से मौत हो गई। मृतका की पहचान विशालाक्षी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, वह अपने घर के बाहर काम कर रही थीं तभी उन्हें संभवत: सांप ने काट लिया। उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई। कंजर थाने के अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि हाल के दिनों में सांप के काटने से कम से सात लोगों की मौत हुई है।

टीसीएस वर्ल्ड 10के के 18वें संस्करण में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने रविवार को बेंगलूरु में टीसीएस वर्ल्ड 10के के 18वें संस्करण को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने इस आयोजन को दौड़, स्वस्थ जीवन शैली, अनुशासन और सामूहिक शक्ति का उत्सव बताया। उन्होंने कहा कि टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलूरु शहर की पहचान बन चुका है और अब इसे न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर सबसे बड़ी दौड़ में से एक माना जाता है। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि युवाओं के साथ-साथ दिव्यांग प्रतिभागियों और वरिष्ठ नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया, जो समावेशिता और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रमुख कार्यक्रम 'फिट इंडिया मूवमेंट' की भावना का सच्चा प्रतिबिंब है।

गहलोत ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, सभी प्रतिभागियों, आयोजकों, प्रायोजकों और विशेष रूप से प्रोकैम इंटरनेशनल को इस कार्यक्रम की शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नागरिकों से अपने दैनिक जीवन में फिटनेस को प्राथमिकता देने, खेलकूद अपनाने और एक स्वस्थ, मजबूत और विकसित राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की अपील भी की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, विधायक एनए हारिस, सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार, सांसद पीसी मोहन और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बिना मेडिकल इक्विपमेंट और स्टाफ की नियुक्ति के शिग्गावी हॉस्पिटल का उद्घाटन, निराशाजनक : बसवराज बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिग्गावी/हावेरी। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव रविवार को शिग्गावी में 250 बेड के हॉस्पिटल का उद्घाटन करने आ रहे हैं। उद्घाटन के तुरंत बाद हॉस्पिटल शुरू नहीं होगा। अगर उन्होंने मेडिकल इक्विपमेंट, डॉक्टरों की नियुक्ति और सभी सुविधाओं वाले हॉस्पिटल का उद्घाटन किया होता तो यह फायदेमंद होता। हमें निराशा है कि ऐसा नहीं हुआ और पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने मांग की है कि गरीब मरीजों की सुविधा के लिए कम से कम दो से तीन महीने के अंदर डॉक्टरों की नियुक्ति और सभी मेडिकल इक्विपमेंट और बेड का इंतजाम किया जाए। इस बारे में एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए बोम्मई ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आज शिग्गावी में 250 बेड के हॉस्पिटल का उद्घाटन करने आ रहे हैं। यह सही है, लेकिन वह सिर्फ हॉस्पिटल बिल्डिंग का उद्घाटन करने आ रहे हैं। इस वजह से उद्घाटन के तुरंत बाद हॉस्पिटल शुरू नहीं हो पाएगा।

क्योंकि जब मैं सीएम था, तो मैंने 250 बेड का हॉस्पिटल मंज़ूर किया था। 7 जून 2022 को एडमिनिस्ट्रेटिव ऑर्डर हुआ था। कॉन्ट्रैक्टर को 7 अक्टूबर 2022 से 24 महीने के अंदर काम पूरा करने का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। 96.5 करोड़ रुपये का वर्क कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। इसके अलावा, हमने लगभग 50 करोड़ रुपये के मेडिकल इक्विपमेंट, लैब, बेड, ऑपरेशन थिएटर के लिए ज़रूरी इक्विपमेंट मंज़ूर किए हैं। इसे पहले ही 2024 तक पूरा होना था और 2026 तक पूरा किया जा रहा है। यह दो साल लेट हो रहा है। लेकिन, यह अफ़सोस की बात है कि वहाँ कोई मेडिकल इक्विपमेंट या बेड नहीं है। मौजूदा सौ बेड के हॉस्पिटल में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ़ की कमी है। अब उनका उद्घाटन हो रहा है। 250 बेड के हॉस्पिटल के लिए नई पोस्ट मंज़ूर नहीं की गई हैं, तो इसके उद्घाटन से शिग्गावी तालुक और आस-पास के तालुक के लोगों को क्या फ़ायदा होगा? इसलिए, मौजूदा हॉस्पिटल से सिस्टम को बेहतर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि यह पहले से ही मेडिकल सेवाओं की कमी से जूझ रहा है।

बोम्मई ने कहा कि दिनेश गुंडू राव एक काबिल स्वास्थ्य मंत्री हैं। उन्हें बहुत जानकारी है। हमारा मानना है कि वह यह सब इंतज़ाम करेंगे और इसका उद्घाटन करेंगे। इस लिहाज़ से, हालांकि यह अच्छी बात है कि वह इसका उद्घाटन कर रहे हैं, लेकिन अगर उन्होंने एक अच्छी सुविधाओं वाले हॉस्पिटल का उद्घाटन किया होता तो यह और भी अच्छा होता। दिनेश गुंडू राव का अच्छा नाम होता, लेकिन हमें निराशा है कि ऐसा नहीं हुआ। कनिष्क को दो-तीन महीने में डॉक्टर अपॉइंट करने चाहिए, सभी मेडिकल इक्विपमेंट और बेड का इंतज़ाम करना चाहिए, और गरीब मरीज़ों को सुविधा देनी चाहिए, और इसमें पुराने हॉस्पिटल की मरम्मत भी शामिल है।

बेंगलूरु में हुई 'ग्राम-2026 इन्वेस्टर्स मीट'

टेक कम्पनियों के लिए राजस्थान लिविंग लैब : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 टेक्नोलॉजी और कृषि का एक ऐसा सशक्त मंच होगा जो समृद्ध किसान, समृद्ध राजस्थान और समृद्ध भारत के नव निर्माण की नींव रखेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। प्रदेश पानी एवं बिजली के क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है जिससे कृषि क्षेत्र में निवेश और नवाचार की अपार संभावनाएं बन रही है।

मुख्यमंत्री रविवार को बेंगलूरु में ग्राम-2026 इन्वेस्टर्स मीट में एग्री-टेक स्टार्टअप्स, उद्यमियों, निवेशकों एवं कृषि विशेषज्ञों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी किसानों को सशक्त बनाने के लिए बीज से बाजार तक के विजन पर जोर देते हैं, जिसका उद्देश्य खेती को आधुनिक, लाभदायक और तकनीक-आधारित बनाना है। इससे किसानों की आय में वृद्धि

होगी और हमारा अन्नदाता समृद्ध और खुशहाल होगा।

शर्मा ने कहा कि किसानों को तकनीकी रूप से संपन्न बनाने की दिशा में राज्य सरकार जयपुर में 23 से 25 मई तक ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 का आयोजन करने जा रही है, जो कि तकनीक आधारित कृषि के एक नए युग की शुरुआत होगी। इसमें प्रदेश के किसान और पशुपालकों के साथ-साथ देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और तकनीकी जानकार जुटेंगे। इस दौरान एग्रीटेक, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एआई, आधुनिक खेती और फूड प्रोसेसिंग आदि से किसान रूबरू होंगे। उन्होंने टेक उद्यमियों एवं निवेशकों को इस महत्वाकांक्षी आयोजन में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। बाजरे सहित विभिन्न श्री अन्न के उत्पादन में राजस्थान अग्रणी है। हमारा प्रदेश सरसों, तिलहन, जौ और ग्वार तथा ईसबगोल एवं जीरे के उत्पादन में प्रथम और मेथी, लहसुन, सौंफ, धनिया, अजवायन, मूंग और मूंगफली के उत्पादन में द्वितीय स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान कृषि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर एमओयू हुए जिनका निरन्तर क्रियान्वयन हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड चेन, जैविक कृषि, स्पाइस पार्क और कृषि तकनीक में निवेश के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। टेक कम्पनियों के लिए राजस्थान एक लिविंग लैब बन सकता है, जहां टेक्नोलॉजी कृषि क्षेत्र को व्यापक स्तर पर बदल सकती है।

कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि राज्य सरकार नीतिगत समर्थन, बुनियादी ढांचे और नवाचार को बढ़ावा देकर एग्रीटेक सेक्टर को मजबूत कर रही है, जिससे निवेशकों और उद्यमियों के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो। ग्राम-2026 में नवाचारों और नवीन तकनीकों का प्रदर्शन होगा।

शिवकुमार बीमार मंत्री सुधाकर के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने केआईएमएस अस्पताल पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार फेफड़ों के संक्रमण के इलाज के लिए कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (केआईएमएस) में भर्ती योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी. सुधाकर के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने रविवार को अस्पताल पहुंचे। उपमुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि शिवकुमार ने सुधाकर के परिजनों और चिकित्सकों से मुलाकात की और उनकी हालत के बारे में जानकारी ली। इस दौरान कांग्रेस विधायक टी रघुमूर्ति भी उपस्थित थे।

अस्पताल ने शनिवार को कहा था कि सुधाकर फिलहाल जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं और उनकी हालत स्थिर है। इसने कहा कि अगर उनके फेफड़ों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार नहीं होता है, तो फेफड़े के प्रतिरोपण पर विचार किया जा सकता है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या सुधाकर को देखने के लिए अस्पताल पहुंचे थे और उनके परिवार के सदस्यों व चिकित्सकों के साथ मंत्री के स्वास्थ्य के बारे में चर्चा की थी।

ट्रयो टेल्स पॉडकास्ट के माध्यम से विद्यार्थी ने शुरू किया नया मंच

बेंगलूरु। ट्रयो वर्ल्ड अकादमी के विद्यार्थियों ने 'ट्रयो टेल्स' नामक पॉडकास्ट स्पाटीफाई व यूटयूब पर लांच किया। पूरी तरह से विद्यार्थियों द्वारा परिकल्पित, शोधित, क्यूरेटेड, होस्ट और निर्मित, 'ट्रयो टेल्स' दुनिया भर के बदलाव लाने वालों, नवप्रवर्तकों, उद्यमियों, कलाकारों, शिक्षकों और विचारकों को छात्रों के साथ ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बातचीत के लिए एक मंच पर लाता है।

इस पॉडकास्ट के मेहमानों की सूची में बाल रोग विशेषज्ञ, न्यूरोसाइंस विशेषज्ञ, वन्यजीव प्रेमी और अपने-अपने क्षेत्रों के अन्य प्रमुख नेता शामिल हैं। एक एपिसोड में जापान के कनाज़ावा विश्वविद्यालय के प्रो. डाइसुके मात्सुशिमा शामिल हैं, जो जापान में भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए उभरते अवसरों पर चर्चा करते हैं।

बस पलटने से 20 घायल

मंगलूरु। कर्नाटक के चरमाडी घाट में रविवार को एक मोड़ पर एक निजी बस के पलट जाने से 20 से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना एक मोड़ पर उस समय हुई, जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। सभी यात्री आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं और वे धर्मस्थल में विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे।

तस्करी करके बेंगलूरु ले जाए जा रहे 3 लड़कों को बचाया, आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/रांची। झारखंड में रांची जिले के एक रेलवे स्टेशन से कथित तौर पर तस्करी करके बेंगलूरु ले जाए जा रहे तीन लड़कों को बचा लिया गया। रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) ने रविवार को एक बयान में यह कहा। इसमें कहा गया है कि कथित तस्करी के सिलसिले में 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आरपीएफ के बयान के मुताबिक, मानव तस्करी और बाल श्रम के खिलाफ विशेष अभियान के दौरान रेलवे पुलिस बल ने हटिया स्टेशन से 14 से 15 वर्ष की आयु के तीन लड़कों को बचाया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किए गए आरोपी ने स्वीकार किया कि वह बेंगलूरु में निर्माण स्थलों पर मजदूरों को भेजता है और प्रति मजदूर 300-400 रुपये का कमीशन प्राप्त करता है। आरपीएफ के बयान में कहा गया है कि गिरफ्तार व्यक्ति ने यह भी बताया कि वह किसी अन्य व्यक्ति के साथ मिलीभगत करके विभिन्न राज्यों से गरीब बच्चों की तस्करी में शामिल था।

कृषि और ग्रामीण विकास को नई गति देने की पहल, आज से प्रारंभ होगा ग्राम रथ अभियान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि 27 अप्रैल से प्रारंभ होने वाला ग्राम रथ अभियान प्रदेशवासियों को राज्य सरकार की कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। मुख्य सचिव रविवार को शासन सचिवालय में ग्राम रथ अभियान के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रदेश के किसानों को तकनीकी रूप से उन्नत कृषि की ओर अग्रसर करने तथा कृषि क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जयपुर में 23 से 25 मई तक 'ग्राम-2026' का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए राज्य सरकार द्वारा 27 अप्रैल से 15 दिवसीय ग्राम रथ अभियान संचालित किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने जिलों में ग्राम रथों का रूट चार्ट तैयार कर अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान संपर्क पोर्टल पर संबंधित विधानसभा क्षेत्रों से जुड़े लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण किया जाए। साथ ही, आवश्यक समर कंटीजेंसी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम रथ अभियान से जुड़े सभी 13 विभाग कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े सभी जिला कलेक्टरों से अभियान की तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। अभियान के नोडल विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त राकेश शर्मा ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश की 183 ग्रामीण बहुल विधानसभा क्षेत्रों में ग्राम रथों के माध्यम से राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। प्रत्येक ग्राम रथ द्वारा प्रतिदिन 4 से 5 ग्राम पंचायतों में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही लोक कलाकारों द्वारा कला जत्था के माध्यम से संध्या चौपाल कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे योजनाओं की जानकारी जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंच सके।

अभियान के दौरान स्थानीय ग्रामीणों से सुझाव प्राप्त करने के लिए सुझाव पेटिका की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार किया जा सके। इसके अतिरिक्त, विभिन्न अवसरों पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के संदेश एवं संवाद डएऊ स्क्रीन के माध्यम से प्रसारित किए जाएंगे। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन विभाग अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव परिवहन भवानी सिंह देथा, शासन सचिव, सहकारिता समित शर्मा, शासन सचिव, पंचायतीराज डॉ. जोगाराम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, सभी जिला कलेक्टर एवं संभागीय आयुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

कई कैच छोड़े, मैदान पर बेहतर हो सकते थे : रियान पराग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने शनिवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों मिली पांच विकेट की हार के बाद कहा कि उनकी टीम के खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़ दिए और इसमें सुधार करना होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन (74 रन) और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (57 रन) की अर्धशतकीय पारियां 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी (103 रन) के शतक पर भारी पड़ी जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से शिकस्त देकर लगातार चौथी जीत दर्ज की।

पराग ने मैच के बाद कहा, हमने कुछ ज्यादा कैच छोड़ दिए। अभिषेक शर्मा जैसे बेहतरीन बल्लेबाज के आप कैच नहीं छोड़ सकते। मैदान पर हम और बेहतर हो सकते थे। हमें सुधार करना होगा। क्षेत्ररक्षण मैच में काफी अहम भूमिका अदा करती है। अगले मैच में तरोताजा होकर वापसी करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के मैदान पर हराने के बाद कहा कि वापसी के बाद पहले मैच में मिली जीत से खुश हैं। उन्होंने कहा, मैं इस जीत से काफी खुश हूं। नहीं पता था कि मेरा पहला मैच कैसा जाएगा। मुझे लगता है कि आपको अपनी बल्लेबाजी पर भी काम करना चाहिए। अगर आपके एक या दो ओवर खराब हो भी जाएं तो आप वापसी करके प्रभाव डाल सकते हैं। लेकिन अच्छी जीत रही।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी (103 रन) के 36 गेंद में आईपीएल के इतिहास के तीसरे सबसे तेज शतक और ध्रुव जुरेल (51 रन) के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिए 112 रन साझेदारी की बदौलत छह विकेट पर 228 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 229 रन बनाकर अपनी पांचवीं जीत दर्ज की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर में सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के '133वें संस्करण' में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर में मन की बात के इस कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम, पवन ऊर्जा, रेगिस्तानी इलाकों में गोडावण संरक्षण, बीटिंग रिट्रीट के म्यूजिक की वेव्स ओटीटी पर उपलब्धता, कच्छ के रण में फ्लेमिंगो बर्ड, उत्तर प्रदेश के तराई इलाकों में गज मित्र, छत्तीसगढ़ में काले हिरण, बैम्बू सेक्टर में नॉर्थ-ईस्ट की सफलता, नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया के अभिलेख पटल, यूरोपीय गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड में देश की बेटियों के बेहतरीन प्रदर्शन, डिजिटल जनगणना अभियान, देश के विभिन्न राज्यों में बन रही चीज़, गुरुदेव टैगोर की जन्म जयंती का उल्लेख किया। उन्होंने देशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में आ रहे सकारात्मक बदलावों और देश की उपलब्धियों का उल्लेख करते हैं। इससे आमजन भी विकसित भारत की यात्रा में सहभागिता के लिए प्रेरित होते हैं। इस दौरान सांसद मदन राठौड़ सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, नवजीवन का आरंभ : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल और कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षांत समारोह शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि विद्यार्थी जीवन के नव आरंभ का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि अर्जित ज्ञान को समाज और राष्ट्र के हित में समर्पित करना ही दीक्षांत का मूल उद्देश्य है। राज्यपाल बागड़े सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर के चतुर्थ दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहाँ प्राप्त शिक्षा को व्यवहार में उतारने का संकल्प लिया जाता है। प्राचीन गुरुकुल परंपरा के 'समावर्तन संस्कार' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य सत्य, धर्म और विनम्रता के साथ जीवन में आगे बढ़ना है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान को समाज को समर्पित करें तथा नागरिकों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, अपराधों की रोकथाम एवं न्याय की रक्षा के प्रहरी के रूप में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में पुलिसिंग अत्यंत चुनौतीपूर्ण है, जहाँ साइबर अपराध, आतंकवाद, नशीले पदार्थों का प्रसार और सामाजिक असंतुलन जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बागड़े ने कहा कि 'जन सेवा ही परम धर्म' की भावना के साथ कार्य करते हुए तथा जनता को मित्र मानकर ही पुलिस अपनी सकारात्मक छवि स्थापित कर सकती है। जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी शक्ति है। राज्यपाल ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के महत्व पर बल देते हुए कहा कि डेटा एनालिटिक्स, फोरेंसिक एवं साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में दक्षता आवश्यक है, किन्तु इसके साथ मानवीय मूल्यों को भी समान महत्व देना चाहिए। उन्होंने सरदार पटेल के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की एकता एवं अखंडता सर्वोपरि है। विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। राज्यपाल ने शिक्षा के समग्र स्वरूप पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर एकाग्रता एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भौतिक विकास के साथ नैतिक विकास भी आवश्यक है। नैतिकता के आधार पर ही जीवन को श्रेष्ठ, सार्थक एवं समाजोपयोगी बनाया जा सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि पुलिस की छवि को सकारात्मक बनाने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। केवल अपराध नियंत्रण ही नहीं, बल्कि समाज का विश्वास अर्जित करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा पुलिसिंग, आंतरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय के क्षेत्र में किए जा रहे शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यों की सराहना की तथा भारतीय परिप्रेक्ष्य आधारित पाठ्यक्रम एवं शोध को बढ़ावा देने पर बल दिया।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि न्याय धर्म की जड़ है और सेवा राष्ट्र का प्राण। उन्होंने दीक्षांत समारोह को संकल्प दिवस बताते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्र सेवा, न्याय एवं मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय पुलिसिंग, आंतरिक सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहा है तथा विद्यार्थियों को व्यवहारिक एवं शोध आधारित शिक्षा प्रदान कर रहा है।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय से अपेक्षा की कि वह पुलिसिंग, साइबर सुरक्षा एवं फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में मौलिक एवं शोध आधारित कार्यों को बढ़ावा देते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में विवेक, संवेदनशीलता, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना है तथा यही राष्ट्र निर्माण का आधार है। इस अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने छात्र छात्राओं को डिग्री एवं पदक प्रदान किए।

सड़क हादसे में मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा शनिवार रात अरांई क्षेत्र में उस वक्त हुआ जब थार ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी। उसने कहा कि घटना के बाद वाहन चालक फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। उसने बताया कि मृतकों की पहचान कटसुरा गांव निवासी गीता घासल (38), उनके बेटे भंवर लाल (18) और गीता की बहन के बेटे हनुमान के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार गीता बेटे के साथ अपनी बहन के घर गई थीं और लौटते समय हनुमान भी उनके साथ था। उसने बताया कि हादसे के बाद तीनों को किशनगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया ।

गांव के विकास का आधार है ग्राम विकास अधिकारी : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी गांव के विकास का आधार है। वे जरूरतमंदों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाते हैं तथा ग्रामीणों के सपनों को पूरा करने में योगदान भी देते हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं को धरातल पर उतारने में ग्राम विकास अधिकारी अहम भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के अभिनन्दन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सुशासन से ही राजस्थान समृद्ध बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुसार प्रशासन का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भव' होना चाहिए। इसी कड़ी में ग्राम विकास अधिकारी आमजन की सेवा में दिन-रात समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में बड़ी संख्या में लाभार्थी जनकल्याणकारी एवं आधारभूत विकास की योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सरकारी कार्मिकों की कार्यक्षमता और कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए मिशन कर्मयोगी की शुरूआत की है। इसके जरिये कार्मिक विकसित भारत-विकसित राजस्थान के सपने को पूरा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश में पानी एवं बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परियोजनाएं प्रारंभ की हैं। पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम हो रहा है। वहीं, ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि कर किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ने प्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देकर उद्योगों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया है। राज्य में युवाओं को सरकारी नौकरी के भरपूर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर वीबी जी राम जी, स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना जैसी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डेयरी संबंधी कार्यों को प्रोत्साहन देने के साथ ही पशुपालकों के लिए अनेकों योजनाएं चलाई हैं। राजीविका के जरिये महिला सशक्तीकरण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने और खेती को आधुनिक बनाने के लिए आगामी 23 से 25 मई तक ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट का आयोजन करने जा रही है। ग्राम विकास अधिकारी इस आयोजन से जुड़ी महत्वपूर्ण गतिविधियों में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान प्रारंभ किया है, जिसमें विस्तृत रिपोर्ट बनाकर हर गांव और वार्ड के सर्वांगीण विकास का खाका तैयार किया जाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि राजस्थान को नम्बर वन स्टेट बनाने के लिए सभी मिलकर कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने ग्राम विकास अधिकारी कैडर के हित में पदोन्नतियों में व्यवधान को दूर करने के साथ ही कैडर के सुदृढ़ीकरण की दिशा में वरिष्ठ ग्राम विकास अधिकारी पद का सृजन भी किया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को समयबद्ध रूप से नियमित पदोन्नति देने एवं इसके पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने ग्रेच्यूटी की सीमा भी 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी है।

उन्होंने कहा कि बजट 2026-27 में पदोन्नति और वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया है, जो भविष्य में आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। राज्य सेवा के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे अधिकारी कर्मयोगी की भावना से रूल बेस्ड से रोल बेस्ड कार्यशैली की ओर अग्रसर होंगे।

झालावाड़ के संतरे से बदलेगी किसानों की तस्वीर, पाउडर और कॉस्मेटिक उत्पादों से मिलेगा दोहरा लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। झालावाड़ जिले में संतरे की खेती करने वाले किसानों के लिए राहत और अवसर की बड़ी खबर है। जिले में अब संतरे की पैदावार केवल ताजे फल तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका उपयोग पाउडर और अन्य कॉस्मेटिक उत्पादों में भी किया जाएगा। इससे किसानों को उपज का बेहतर दाम मिलने के साथ अतिरिक्त आय के नए रास्ते खुलेंगे।

झालावाड़ जिले के संतरा एक्सीलेंस सेंटर में पायलट प्रोजेक्ट के तहत संतरे का पाउडर बनाने का कार्य आने वाले सीजन तक शुरू किया जाएगा। इस पहल से संतरे के जूस, छिलका और पल्प का भी उपयोग संभव होगा। इससे किसानों को मेहनत का दोहरा लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, संतरे से तैयार होने वाला पाउडर ऑर्गेनिक होगा, जिसके कारण

बाजार में इसकी अच्छी कीमत मिलने की उम्मीद है। किसान अपने स्तर पर छोटी यूनिट लगाकर भी पाउडर तैयार कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें अनुदान भी दिया जाएगा। गुणवत्ता के कारण खाड़ी देशों तक पहचान बना चुके झालावाड़ के संतरे का अब स्थानीय स्तर पर कई प्रकार से उपयोग होने से किसानों की आय बढ़ेगी। साथ ही बाजार में मांग बढ़ने से बगीचों का क्षेत्रफल भी बढ़ सकता है, जिससे जिले की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

झालावाड़ जिले में करीब 24,500 हेक्टेयर क्षेत्र में संतरे की खेती होती है। सालाना उत्पादन लगभग 3 लाख मीट्रिक टन बताया गया है, जबकि औसत उत्पादकता 12.5 टन प्रति हेक्टेयर है। जलवायु और ब्लैक कॉटन मिट्टी के कारण यहां के संतरे की गुणवत्ता बेहतर मानी जाती है। इसकी मांग देशभर में बनी रहती है, जबकि निर्यात बांग्लादेश और नेपाल तक होता है। राजस्थान में संतरा उत्पादन में झालावाड़ को पहले स्थान पर बताया जाता है। यहां 10 से अधिक किस्मों के संतरे उगाए जाते हैं, जिनमें नागपुरी किस्म की सबसे ज्यादा मांग है।

संतरे का उपयोग केवल फल के रूप में ही नहीं, बल्कि संतरा बर्फी, कैंडी, आइसक्रीम, चॉकलेट, केक और संतरा फ्लेवर वाले रसगुल्ले में भी किया जाता है। इसके अलावा फेस पैक, स्क्रब और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में इसे नेचुरल इंग्रीडिएंट के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऑफ सीजन में भी असली संतरा जूस और अन्य सामग्री के रूप में इसका उपयोग संभव होगा, जिससे बाजार में सालभर मांग बनी रह सकती है।

नोएडा में एक कंपनी के निदेशक समेत चार लोगों ने की आत्महत्या

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा में अलग-अलग घटनाओं में एक कंपनी के निदेशक समेत चार लोगों ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उसने बताया कि सेक्टर 39 थानाक्षेत्र में सेक्टर 107 की एक सोसाइटी में एक कंपनी के निदेशक ने कथित रूप से 22 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर लिया। सेक्टर 39 के थाना प्रभारी

निरीक्षक डी पी शुक्ल ने बताया कि 22वीं मंजिल पर अपने परिवार के साथ रह रहे सजल मेहरोत्रा (37) ने रविवार को नीचे छलांग लगा दी जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गई।

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी और परिचितों से पूछताछ कर पुलिस पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की।

प्रधानमंत्री ने मतुआ समुदाय के मुख्य मंदिर, कोलकाता के ठनठनिया काली मंदिर में प्रार्थना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में जोरदार चुनाव प्रचार के बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ठाकुरनगर में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली मतुआ समुदाय के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी और राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना की।

शाम को उत्तरी कोलकाता में रोड शो में भाग लेने से पहले, प्रधानमंत्री कोलकाता के मध्य में स्थित 300 वर्ष से अधिक पुराने ठनठनिया कालीबाड़ी गए। उन्होंने पास के एक स्टॉल से पूजा की सामग्री खरीदी और उसे मंदिर की अधिष्ठाता देवी, मां सिद्धेश्वरी, जो देवी काली का एक रूप हैं, को अर्पित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग वहां एकत्र हो गए।

उत्तरी कोलकाता की प्रमुख उत्तर-दक्षिण सड़क बिधान सरानी पर स्थित, इस मंदिर की स्थापना 1703 में उदय नारायण ब्रह्मचारी ने उस भूमि पर की थी, जहां उस समय श्मशान घाट हुआ करता था।

इससे पहले मोदी ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर में मतुआ महासंघ के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी में अपनी चुनावी रैली से पहले पूजा-अर्चना की। मतुआ समुदाय के गढ़ में उनकी यात्रा को इस समुदाय के मतदाताओं तक पहुंचने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मतुआ मतदाता कम से कम 34 विधानसभा सीटों और बांग्लादेश सीमा के करीब स्थित दो दर्जन अन्य सीटों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। ठाकुरबाड़ी में इस संप्रदाय के संस्थापकों हरिचंद और गुरुचंद ठाकुर के मंदिर स्थित हैं। उनके समर्थन ने 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के मजबूत प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हरिचंद ठाकुर द्वारा 19वीं शताब्दी में स्थापित मतुआ महासंघ एक सामाजिक-धार्मिक आंदोलन है, जिसने ऐतिहासिक रूप से शिक्षा और सामाजिक सुधार के माध्यम से नामशुद्र समुदाय के उत्थान के लिए काम किया है।

मोदी 2019 में भी ठाकुरनगर मंदिर गए थे और 2021 में बांग्लादेश के ओराकंडी भी गए थे। प्रधानमंत्री ने रविवार को दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया, और फिर राजधानी शहर के उत्तरी भाग में लगभग दो किलोमीटर का रोड शो किया।

टीएमसी सरकार राज्य सचिवालय से नहीं चलती, बल्कि इसे पार्टी के संरक्षित अपराधी चला रहे हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आरामबाग (प. बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार राज्य सचिवालय से नहीं बल्कि पार्टी द्वारा संरक्षित गुंडों और अपराधियों द्वारा चलाई जा रही है। चुनाव प्रचार समाप्त होने से एक दिन पहले, हुगली जिले के आरामबाग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सरकार चलाने के लिए टीएमसी की ''असामाजिक तत्वों पर निर्भरता'' के कारण अक्सर कलकत्ता उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा है।

मोदी ने कहा, ''टीएमसी की 'निर्मम सरकार' नबान्न (राज्य सचिवालय) से नहीं चलती। इसे गुंडे और अपराधी चलाते हैं, और सरकार को पटरी पर लाने के लिए उच्च न्यायालय और देश की शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी है।'' उन्होंने वादा किया कि राज्य में भाजपा सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में केंद्र की प्रमुख स्वास्थ्य बीमा योजना 'आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' के कार्यान्वयन को मंजूरी दी जाएगी।

भवानीपुर : ममता के राजनीतिक गढ़ में शुभेंदु अधिकारी के मैदान में उतरने से मुकाबला रोमांचक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजनीति में, भवानीपुर अब महज दक्षिण कोलकाता की एक साधारण विधानसभा सीट नहीं रह गई है, बल्कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी का गढ़ माने जाने वाले इस सीट से भाजपा ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारकर मुकाबला रोमांचक बना दिया है।

भाजपा ने इस सीट को ''मनोवैज्ञानिक युद्धक्षेत्र'' में पेश किया है, जहां उस चुनावी मुकाबले की नींव रखी जा रही है, जिसे बंगाल में कई लोग ''सबसे बड़ा मुकाबला'' कह रहे हैं।

मुख्यमंत्री और इस निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार की विधायक बनर्जी का सीधा मुकाबला विपक्ष के नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी से है, जिसके चलते 29 अप्रैल के चुनाव ने भवानीपुर को राज्य की सबसे चर्चित ''प्रतिष्ठा की लड़ाई'' में बदल दिया है। ममता बनर्जी के करीबी समझे जाने वाले शुभेंदु ने 2021 में तृणमूल छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था और उन्होंने भाजपा उम्मीदवार के रूप में नंदीग्राम सीट पर बनर्जी को हराया था। पांच साल बाद, अब यह चुनावी मुकाबला बनर्जी के गढ़ में हो रहा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए, भवानीपुर सीट बरकरार रखना मुख्यमंत्री के अपने ही क्षेत्र में उनकी राजनीतिक सत्ता को बरकरार रखने जैसा है। भाजपा के लिए, इसे भेदना बंगाल की सबसे शक्तिशाली नेता के इर्द-गिर्द बनी ''अजेय'' की छवि को तोड़ने जैसा होगा। कोलकाता नगर निगम के आठ वार्ड में फैला भवानीपुर अक्सर 'मिनी इंडिया' कहलाता है, एक ऐसा निर्वाचन क्षेत्र जहां बंगाली, गुजराती व्यापारी, पंजाबी और सिख परिवार, मारवाड़ी और जैन परिवार, साथ ही बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाता रहते हैं। बिहार, ओडिशा और झारखंड से आए प्रवासी इस सामाजिक विविधता में एक और आयाम जोड़ते हैं। भवानीपुर में लगभग 42 प्रतिशत मतदाता बंगाली हिंदू हैं, 34 प्रतिशत गैर-बंगाली हिंदू और लगभग 24 प्रतिशत मुस्लिम हैं, जो इस निर्वाचन क्षेत्र को सामाजिक रूप से विविध और राजनीतिक रूप से संवेदनशील बनाते हैं। ऐसा लगता है कि इसी समीकरण ने अधिकारी को बनर्जी को उनके गृह क्षेत्र में चुनौती देने के लिए प्रोत्साहित किया है। भाजपा ने महीनों से भवानीपुर में बूथ-दर-बूथ का आंकड़ा तैयार किया है। पार्टी नेताओं का दावा है कि मतदाताओं में कायस्थ 26.2 प्रतिशत, मुस्लिम 24.5 प्रतिशत, पूर्वी भारत का प्रवासी समुदाय 14.9 प्रतिशत, मारवाड़ी 10.4 प्रतिशत और ब्राह्मण 7.6 प्रतिशत हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, इस कवायद से यह पता लगाने में मदद मिली कि बंगाली हिंदू बहुसंख्यक क्षेत्र कौन से हैं, हिंदी भाषी व्यापारी समुदाय कहां केंद्रित हैं और किन बूथ पर मुस्लिम मतदाताओं का प्रभाव रहने की संभावना है। कोलकाता के महापौर और टीएमसी के वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने कहा, ''यह सिर्फ एक साधारण सीट नहीं है। यहां के लोग ममता बनर्जी की विकास और समावेशिता की राजनीति का बार-बार समर्थन करते रहे हैं।''

जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भीड़भाड़ को रोकने के लिए ओडिशा सरकार कम 'कॉर्डन पास' जारी करेगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने रथयात्रा के दौरान रथों के पास श्रद्धालुओं की भीड़भाड़ को रोकने के लिए इस वर्ष कम 'कॉर्डन पास' जारी करने का निर्णय किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पिछले साल पुरी में रथ यात्रा के दौरान तीन लोगों की मौत की घटना के मद्देनजर, मुख्य सचिव अनु गर्ग की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया। सूत्रों के अनुसार, भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों के चारों ओर बने आंतरिक घेरे में प्रवेश करने के लिए 'कॉर्डन पास' जारी किए जाते हैं। ये पास अनुष्ठानों या सुरक्षा कार्यों में लगे लोगों को ही जारी किए जाते हैं। 16 जुलाई से शुरू होने वाली रथ यात्रा के लिए लाखों श्रद्धालुओं के संभावित जमावड़े को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, अनुष्ठानों, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, स्वच्छता व साजोसामान से संबंधित व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बंगाल में सत्ता में आने पर भाजपा 'गुंडा राज' और 'सिंडिकेट राज' का अंत करेगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है तो वह राज्य में ''गुंडा राज'' और ''सिंडिकेट राज'' का अंत करेगी।

नदिया जिले के तेहट्टा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि विधानसभा चुनाव के पहले चरण में ही मतदाताओं ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार का सफाया कर दिया है। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के चुनाव में 110 सीटें जीत ली हैं।''

शाह ने कहा, ''अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में सत्ता में आती है, तो यहां 'गुंडा राज' और 'सिंडिकेट राज' का अंत हो जाएगा। मतदान करने से न डरें, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने पर्याप्त व्यवस्था की है। कोई भी आपको वोट डालने से नहीं रोक पाएगा।'' उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो वह ''राज्य में छिपे घुसपैठियों'' की पहचान करेगी और उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करेगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेता को कार्यक्रम स्थल पर भारी भीड़ के बावजूद अचानक हुई भारी बारिश के कारण अपना भाषण छोटा करना पड़ा।

बाद में, जिले के राणाघाट में एक अन्य रैली में शाह ने आरोप लगाया कि अधिकांश मवेशी तस्करी नदिया के रास्ते होती है। उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में सरकार बनने के बाद, हम मवेशी तस्करी रोकने के लिए एक विशेष दस्ता गठित करेंगे।''

भाजपा अभी लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण दे, हमारा पूरा समर्थन : पांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश मामलों के प्रभारी पार्टी महासचिव अविनाश पांडे ने रविवार को कहा कि भाजपा अभी लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण दे, उसमें हमारा पूरा समर्थन है, लेकिन दिखावा मत करे। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के विचार विभाग की ओर से 'महिला आरक्षण अधिनियम: सम्मान या छलावा' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें प्रदेश भर से सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं।

पांडे ने इस मौके पर कहा, महिलाएं बराबर की हकदार हैं। कांग्रेस ने शुरू से महिलाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनाना सशक्तीकरण की दिशा में बड़ा कदम था। उन्होंने कहा, 2023 में महिला आरक्षण विधेयक कांग्रेस के समर्थन से पास हुआ, लेकिन भाजपा उसे लागू नहीं कर रही है। भाजपा अभी लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण दे, हमारा पूरा समर्थन है, लेकिन दिखावा मत करे, जनता सब जानती है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा,''हम महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ेंगे। जो अपनी पत्नी को सम्मान नहीं दे सका, वह देश की महिलाओं को क्या सम्मान देगा?

राय ने कहा कि बीएचयू में छात्रा से दुष्कर्म करने वाले भाजपा पदाधिकारियों का स्वागत भाजपा विधायकों ने किया, ये महिला सम्मान के नाम पर खिलवाड़ कर रहे हैं।

तस्कर गिरफ्तार : डेढ़ करोड़ रुपए की चरस बरामद

बहराइच (उप्र)/भाषा। बहराइच जिले के रूपईडीहा क्षेत्र में 'एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स' (एएनटीएफ) और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार सुबह एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से करीब डेढ़ करोड़ रुपए मूल्य की चरस बरामद की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने रविवार को संवाददाताओं से बताया कि एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि रूपईडीहा थाना क्षेत्र के जमुनहा गांव का 40 वर्षीय इस्माइल नेपाल से तस्करी कर मादक पदार्थ लाता है और भारतीय क्षेत्र में उसका धंधा करता है। उन्होंने बताया कि इस सूचना के आधार पर एएनटीएफ तथा सीमावर्ती रूपईडीहा थाने की संयुक्त टीम ने नेपाल से चकिया गांव जाने वाली सड़क पर स्थित मोबाइल रिपेयरिंग की एक दुकान पर छापा मारा तथा दुकानदार इस्माइल के पास से छह किलो 770 ग्राम चरस बरामद की गई। श्रीवास्तव ने बताया कि बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि वह चरस नेपाल के बांके जिले से तस्करी कर लाता है एवं भारत में बेचता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके उससे पूछताछ के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

उत्तर प्रदेश पुलिस 2017 से पहले संकट में थी, अब देश का बेहतरीन पुलिस बल : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि 2017 से पहले जो पुलिस स्वयं संकट में थी, वह अब देश के बेहतरीन पुलिस बल के रूप में स्थापित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में सत्ता के सामने माफिया का राज नहीं चलता।

यहां रिजर्व पुलिस लाइंस में 2025 बैच के पुलिस आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस की सराहना की। उन्होंने कहा, ''अब उत्तर प्रदेश में दंगे नहीं होते, गुंडा टैक्स और वसूली खत्म हो गई है। अपराधियों के मन में भय है और पुलिस का मनोबल ऊंचा है।''

पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा, ''पहले न बेटी सुरक्षित थी और न व्यापारी। उत्तर प्रदेश अस्थिरता और अराजकता का पर्याय था। राज्य में 2017 से पहले जहां दंगे होते थे, वहीं आज पुलिस दंगे होने से पहले ही उन्हें रोकने में सफल है।''

नए आरक्षियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा, ''कानून अपराधी के प्रति जितना कठोर हो, नागरिकों के प्रति उतना ही संवेदनशील होना चाहिए।'' उन्होंने भरोसा जताया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान के साथ आरक्षी उत्तर प्रदेश पुलिस की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत परेड में शामिल महिला पुलिसकर्मियों को विशेष बधाई दी। उन्होंने कहा, ''बेटियों ने मजबूती, तत्परता और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण पूरा किया, यह सराहनीय है।''

योगी ने कहा, ''प्रशिक्षण में जितना पसीना बहेगा, बाद में उतना ही कम खून बहाने की नौबत आएगी। पुलिस की सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासन है।''

महाराजगंज में 327 किलो गांजा बरामद, वाराणसी एवं इटावा में भी गांजा जब्त, छह लोग गिरफ्तार

महाराजगंज/वाराणसी/इटावा (उप्र)/भाषा। उप्र के महाराजगंज, वाराणसी व इटावा में गांजा बरामद कर छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि महाराजगंज जिले में भारत-नेपाल सीमा के पास सशस्त्र सीमा बल ने 327.17 किग्रा गांजा बरामद किया गया जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 20 करोड़ रु. से अधिक है।

पुलिस के अनुसार वाराणसी में एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से गांजा तथा इटावा जिले में चार गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उसके पास से गांजा बरामद किया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने तीनों जिलों से छह तस्करों को गिरफ्तार कर 20 करोड़ 80 लाख रुपए से अधिक कीमत का अवैध गाजा बरामद किया। एसएसबी के सहायक कमांडेंट दिनेश चंद्र बिस्वास ने बताया कि एक सूचना के आधार पर महाराजगंज में भारत-नेपाल सीमा पर टीम ने बिहार के गोपालपुर थानाक्षेत्र के रणजीत गिरी (37) को गिरफ्तार किया तथा उसके ट्रक से गांजे के 21 बंडल बरामद किए।

गाजीपुर कांड पर अखिलेश बोले- 'बयान बदलवाने से सच नहीं बदलता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर के एक गांव में गंगा नदी के पुल के नीचे नाबालिग लड़की का शव मिलने के मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे हाथरस कांड का दोहराव करार दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने रविवार को 'एक्स' पर लड़की के पिता के बयान का वीडियो साझा करते हुए पोस्ट किया,''बयान बदलवाने से सच नहीं बदलता है। उत्तर प्रदेश ने इतना कमजोर मुख्यमंत्री कभी नहीं देखा, जो घोर अत्याचार के शिकार गरीब-बेबस पीड़ितों पर दबाव डालकर बयान बदलवाते हैं।''

यादव के बयान पर प्रदेश भाजपा के सह संपर्क प्रमुख और गाजीपुर निवासी नवीन श्रीवास्तव ने 'एक्स' पर पलटवार करते हुए लिखा, ''भैयाजी, आपको प्रशासन पर भरोसा नहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर भरोसा नहीं, पीड़िता के पिता पर भरोसा नहीं। आपको सिर्फ बांटने की कुत्सित राजनीति पर भरोसा है।''

सपा प्रमुख द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में लड़की के पिता कह रहे हैं,''प्रधानजी हमें गाली देते हुए कह रहे हैं कि हमारी तीन रुपए की औकात नहीं है, हमने उसे (बेटी को) 30 हजार रुपए का मोबाइल दिलवा दिया। प्रधान ने हमसे कहा, उस दिन नहीं सोचा कि लड़की हमारी क्या करेगी।'' प्रधान का नाम लेते हुए पिता ने कहा, ''वह पूरी तरह हमारे खिलाफ हैं। उन्होंने पथराव भी कराया। हमको बचाने में एसओ साहब पीटे गए। सपा प्रमुख ने इस पोस्ट के जरिए पांच सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा,''प्राथमिकी दर्ज करने में इतनी देर क्यों हुई? बातें क्यों बदलवाई गईं? पीड़ित परिवार को और उत्पीड़ित क्यों किया जा रहा है? पुलिस पर पथराव करने वाले वर्चस्ववादियों के खिलाफ कार्रवाई से किसने रोका? और पोस्टमार्टम पर सवालिया निशान क्यों लगा?''

अखिलेश ने कहा, ''सच तो यह है कि सबको सच मालूम है। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट कुछ भी कहे, गांव के हर घर को जमीनी सच्चाई मालूम है। सब जानते हैं हुआ क्या है और कहलवाया क्या जा रहा है। इससे गांव के हर समुदाय में भाजपा के झूठ की बात पहुंच गई है। इससे पीडीए समाज में बहुत गुस्सा और आक्रोश है।''

यादव ने कहा कि गाजीपुर की बेटी का हत्याकांड हाथरस की बेटी के हत्याकांड का दोहराव है तथा इन दोनों में एक बात समान है कि पीड़ितों के परिवार 'पीडीए परिवार' थे और उत्पीड़क वर्चस्ववादी थे। हाथरस जिले में 14 सितंबर 2020 की सुबह लड़की अपनी मां के साथ मवेशियों के लिए चारा लेने खेतों की तरफ जा रही थी, तभी आरोपियों ने कथित तौर पर उसे पकड़ लिया और सामूहिक दुष्कर्म किया। बाद में 29 सितंबर को नई दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। इस मामले ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया था। हालांकि अब अदालत का फैसला आ चुका है जिसमें सिर्फ एक ही आरोपी को दोषी करार दिया गया।

सुदर्शन का अर्धशतक, गुजरात ने सीएसके को आठ विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। गुजरात टाइटन्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (87 रन) के अपने घरेलू मैदान पर लगाए गए अर्धशतक की मदद से रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आठ विकेट से शिकस्त दी।

गुजरात टाइटन्स के गेंदबाजों के दबदबे के बावजूद सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के नाबाद 74 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की जिससे बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम सात विकेट पर 158 रन ही बना सकी। गुजरात टाइटन्स के लिए कागिसो रबाडा ने 25 रन देकर तीन विकेट चटकाए जबकि अरशद खान को 43 रन देकर दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार को एक एक विकेट मिला। सलामी बल्लेबाज सुदर्शन (46 गेंद, चार चौके, सात छक्के) और जोस बटलर (नाबाद 39 रन) की पारियों से गुजरात टाइटन्स ने 16.4 ओवर में दो विकेट पर 162 रन बनाकर जीत हासिल की। सुदर्शन 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए और चौथी गेंद पर बटलर ने छक्का जड़कर टीम को आसान जीत दिलाई। सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल (33 रन, 23 गेंद, एक चौका, तीन छक्के) ने अच्छी शुरुआत की। गिल के आउट होने के बाद सुदर्शन और बटलर (30 गेंद, चार चौके, एक छक्का) ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचाया। पिछले मैच में सुदर्शन के शतक जड़ने के बावजूद गुजरात टाइटन्स को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब स्कोर इतना बड़ा नहीं था जिससे गुजरात टाइटन्स ने लगातार दो हार के बाद जीत दर्ज की। इस जीत से उसके आठ मैच में आठ अंक हो गए हैं जिससे वह पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

सुविचार

सफलता की खुशी मनाना अच्छा है, पर उससे भी जरूरी है, अपनी पुरानी गलतियों से सीख लेना और आगे बढ़ना जरूरी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आत्मनिर्भरता का व्यापक संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 133वीं कड़ी में भारत की शक्ति एवं सामर्थ्य का उल्लेख कर आत्मनिर्भरता का संदेश दिया है। देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पहले, वैज्ञानिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना होगा। यह सुखद है कि भारत के वैज्ञानिकों ने सिविल परमाणु कार्यक्रम में बहुत उन्नति की है। इसका लाभ हर क्षेत्र को मिल रहा है। तमिलनाडु के कलपक्कम में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा क्रिटिकलिटी हासिल किए जाने की घटना देश की बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है, क्योंकि परमाणु रिएक्टर को बनाने में स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। पूर्व में जब भारत ने अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू किया था, तब पश्चिमी देश इसे संदेह की दृष्टि से देखते थे। उन्होंने देश पर कई प्रतिबंध लगाकर शांतिपूर्ण कार्यक्रम के रास्ते में बाधा पैदा करने की कोशिश की थी। आज भारत अपने वैज्ञानिकों के ज्ञान और दृढ़ निश्चय के बल पर उस मुकाम तक पहुंच गया है, जहां परमाणु संयंत्र ऊर्जा के उत्पादन के साथ भविष्य के लिए नया ईंधन खुद ही तैयार कर लेगा। भारत के पास ऊर्जा के अनेक स्रोत हैं। उनका विवेकपूर्वक इस्तेमाल करने की जरूरत है। पवन ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ते कदम इस बात के साक्षी हैं कि देश भविष्य में नए कीर्तिमान बनाकर दुनिया को अचंभित कर सकता है। देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावाट का आंकड़ा पार कर चुकी है। हमें और आगे बढ़ना है। गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान समेत कई राज्य इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जिन इलाकों में पवन ऊर्जा उत्पादन की अच्छी संभावनाएं हैं, उन्हें चिह्नित कर इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

बांस को पेड़ की श्रेणी से बाहर किए जाने के सुखद परिणाम दिखाई देने लगे हैं। उत्तर-पूर्व के राज्यों में बांस बहुत उगता है। साल 2017 में कानून में बदलाव किए जाने के बाद वहां बांस आधारित उद्योग-धंधों को काफी बढ़ावा मिला है। यह एक अद्भुत पौधा है, जिसमें अपार संभावनाएं छिपी हैं। इससे कुर्सी, मेज, बेड, सोफा, अलमारी, सजावटी सामान, टोकरी, ट्रे, डिब्बे, फूलदान, बांसुरी समेत दर्जनों चीजें बनाई जा सकती हैं। यह पौधा पर्यावरण और हमारी सेहत, दोनों के लिए बहुत फायदेमंद है। हाल के वर्षों में बांस की बोतल बहुत लोकप्रिय हुई है। इसके पानी में विभिन्न औषधीय गुणों का समावेश हो जाता है। अगर युवाओं को बांस की बोतल और बर्तन बनाने का प्रशिक्षण दिया जाए तो उनके लिए रोजगार के कई अवसर पैदा हो सकते हैं। पिछले कुछ दशकों में प्लास्टिक की वजह से पर्यावरण के लिए कई चुनौतियां पैदा हो गई हैं। उनके मद्देनजर बांस एक मजबूत विकल्प बन सकता है। भारत के पास खान-पान संबंधी चीजों का अपार भंडार है। यहां दूध से बनने वाली 'चीज़' का स्वाद दुनियाभर में मशहूर हो रहा है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में कई किस्म की चीज़ का उल्लेख कर इस बात पर प्रकाश डाला है कि भारत का डेयरी क्षेत्र स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों से मालामाल है। जम्मू-कश्मीर की कलारी चीज़ और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश एवं लद्दाख की छुरपी को हर घर में पहुंचाना चाहिए। भारतीय कंपनियों को इस क्षेत्र में निवेश करना चाहिए। जो विदेशी पर्यटक यहां आएं, उनके सामने उस इलाके में बनने वाली चीज़ पेश करनी चाहिए। इससे काफी प्रचार हो जाएगा और विदेशों में मांग बढ़ेगी। इसके अलावा दूध से बनने वाले कई उत्पाद हैं, जिनका देश-दुनिया में प्रचार होना चाहिए। डेयरी क्षेत्र रोजगार के लाखों नए अवसर पैदा करने की क्षमता रखता है। हमें इस क्षमता को पहचानने और उसके अनुसार काम करने की जरूरत है।

ट्वीटर टॉक

आज माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितीन नवीन के जयपुर आगमन की तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष हरी झंडी दिखाकर 'ग्राम (रथ' को रवाना करेंगे।

-भजनलाल शर्मा

सिविल लाइंस ऑफिस में हमने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' प्रोग्राम के 133वें एडिशन को अधिकारियों, कर्मचारियों और आम जनता के साथ लाइव सुना और सेवा, इनोवेशन और जनकल्याण से भरपूर उनका प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्राप्त किया।

-दिया कुमारी

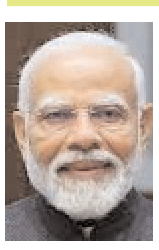

ओलंपियाड और हैकाथॉन का कल्चर भारत के युवाओं में बहुत पॉपुलर हो रहा है। फ्रांस में यूरोपियन गर्ल्स मैथमेटिकल ओलंपियाड में हमारी युवा लड़कियों की सफलता के बारे में बात की। आने वाले समय में और भी युवा अलग-अलग ओलंपियाड और हैकाथॉन में हिस्सा लेंगे।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

सहजता की जीत

एक बार चीन के राजा ने महान दार्शनिक लाओत्से की बुद्धि और ज्ञान से प्रभावित होकर उन्हें अपने राज्य में उच्च पद देने का निश्चय किया। राजा ने दूतों को भेजा। दूत जब पहुंचे, तो उन्होंने देखालाओत्से नदी के किनारे खड़े शांत भाव से बहते जल को निहार रहे हैं। दूतों ने संदेश सुनाया। लाओत्से मुस्कुराए। उन्होंने नदी की ओर इशारा करते हुए पूछा, क्या तुम देख सकते हो, यह पानी कैसे बहता है? दूतों ने कहा, हां, यह अपनी दिशा में बह रहा है। लाओत्से बोले, 'यह जल कभी किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं करता, फिर भी सबसे आगे बढ़ता है। यह किसी पहचान या पुरस्कार की इच्छा नहीं रखता, फिर भी सबका जीवन पोषित करता है। इसकी ताकत इसके सहज प्रवाह में है।' इतना कहकर उन्होंने एक सूखा पत्ता उठाया और नदी में डाल दिया। पत्ता बिना किसी संघर्ष के धारा के साथ बहने लगा। लाओत्से ने समझाया, 'जो व्यक्ति जीवन के प्रवाह के साथ चलना सीख जाता है, वह सबसे अधिक दूर तक पहुंचता है। जो हर चीज़ को पकड़ने की कोशिश करता है, वही बंध जाता है; और जो छोड़ना सीख लेता है, वही सच में स्वतंत्र होता है।'

सामयिक

लोकप्रियता से विवाद तक का सफर

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

राघव चड्ढा का हालिया राजनीतिक निर्णय केवल संसदीय गलियारों या राजनीतिक दलों के बीच की एक साधारण घटना नहीं है बल्कि इसने अंतर्जाल की आभासी दुनिया में भी अत्यंत गहरा और अभूतपूर्व प्रभाव छोड़ा है। आम आदमी पार्टी से भारतीय जनता पार्टी में उनका सम्मिलित होना एक सामान्य राजनीतिक घटनाक्रम की तरह प्रतीत हो सकता था परंतु कुछ ही घंटों के भीतर इसने सामाजिक संवाद के माध्यमों पर एक बड़े वैचारिक और संख्यात्मक बदलाव को जन्म दे दिया। विशेष रूप से छायाचित्र साझा करने वाले प्रमुख वैश्विक मंच पर उनके अनुगामियों की संख्या में आई आकस्मिक गिरावट ने इस तथ्य को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि वर्तमान समय में राजनीति केवल विचारधारा या चुनावी कूटनीति तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि यह सीधे तौर पर जनता की संवेदनाओं और उनकी तत्काल आभासी प्रतिक्रियाओं से जुड़ गई है। उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि जिस दिन उन्होंने अपने राजनीतिक दल के परिवर्तन की सार्वजनिक घोषणा की थी उस समय उनके व्यक्तिगत खाते पर लगभग 14.6 मिलियन अनुगामी उपस्थित थे। इस घोषणा के मात्र 24 घंटे के भीतर यह संख्या तीव्रता से घटकर लगभग 13.3 मिलियन से 13.5 मिलियन के मध्य पहुँच गई। इसका प्रत्यक्ष अर्थ यह है कि लगभग 10 लाख से 11 लाख लोगों ने अत्यंत अल्प समय में उन्हें अननुगामित कर दिया। आंकड़ों में आई यह भारी गिरावट केवल गणितीय अंकों का खेल नहीं है बल्कि यह उस तीव्र भावनात्मक प्रतिक्रिया और रोष को दर्शाती है जो उनके समर्थकों के मध्य उत्पन्न हुई।

यह घटना इसलिए भी विशेष महत्व रखती है क्योंकि राघव चड्ढा की छवि लंबे समय से एक ऐसे युवा राजनेता की रही है जो पारंपरिक और रूढ़िवादी राजनीति की परिधि से बाहर दिखाई देते थे। उनकी पहचान केवल एक सांसद के रूप में स्थापित नहीं थी बल्कि वे एक ऐसे सार्वजनिक चेहरे के रूप में उभरे थे जिसने निरंतर युवाओं के ज्वलंत मुद्दों को स्वर दिया। उन्होंने अस्थायी सेवा कर्मियों, वितरण कर्मचारियों, पितृत्व अवकाश और तीव्र वितरण सेवाओं जैसे समकालीन विषयों को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाने का सफल प्रयास किया था। यही प्रमुख कारण था कि उनके अनुगामियों में बहुत बड़ी संख्या उस युवा वर्ग की थी जिसे प्रायः नई पीढ़ी या आधुनिक युग की संतति कहा जाता है। परंतु जैसे ही उन्होंने अपनी राजनीतिक दिशा और निष्ठा को बदलने का निर्णय लिया उसी वर्ग की प्रतिक्रिया सबसे अधिक प्रखर और तीखी दिखाई दी। सामाजिक संवाद के मंचों पर अचानक एक संगठित अननुगामी अभियान प्रारंभ हो गया जिसमें सहस्रों नहीं अपितु लाखों लोगों ने सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी दर्ज की।

इस अभियान ने वैश्विक स्तर पर यह सिद्ध कर दिया कि आभासी मंचों पर मिलने वाला जनसमर्थन अत्यंत अस्थिर हो सकता है और वह क्षण भर में विपरीत दिशा में मुड़ सकता है। जो लोग पूर्व में उनके समर्थन में सक्रिय थे वही लोग कुछ ही घंटों के भीतर उनके विरोध में खड़े दिखाई देने लगे।

इस संपूर्ण घटनाक्रम को गहराई से समझने हेतु यह देखना अनिवार्य है कि सामाजिक संवाद के ये आधुनिक माध्यम आज केवल मनोरंजन या सूचना के स्रोत नहीं रह गए हैं। ये अब एक प्रकार के तत्काल जनमत संग्रह के केंद्र बन चुके हैं जहाँ साधारण जन अपनी राय को तुरंत और प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। पूर्व के समय में जहाँ किसी राजनेता की लोकप्रियता का आकलन केवल चुनाव परिणामों, जनसभाओं की भीड़ या मतपेटियों से किया जाता था वहीं अब अनुगामियों की संख्या और उन पर प्राप्त होने वाली प्रतिक्रियाएं भी लोकप्रियता का एक अपरिहार्य मापदंड बन गई हैं। राघव चड्ढा के प्रकरण में यह विषय भी चर्चा का केंद्र बना कि उनके पुराने आभासी संदेशों और लेखों में कुछ संपादन या परिवर्तन किए गए। कुछ समाचार रिपोर्टों में यह तथ्य उभरकर सामने आया कि उन्होंने अपने आधिकारिक खातों से पूर्व में किए गए आलोचनात्मक लेखों को या तो पूरी तरह हटा दिया या उनकी संख्या कम कर दी। इस गतिविधि से जनमानस में यह धारणा सुदृढ़ हुई कि उनकी आभासी छवि को नए राजनीतिक वातावरण और नई पार्टी की नीतियों के अनुरूप ढाला जा रहा है। इस प्रकार की गतिविधियों ने आलोचना की अग्नि में घी डालने का कार्य किया क्योंकि उनके राजनीतिक विरोधियों और आलोचकों ने इसे एक शुद्ध अवसरवादी कदम के रूप में प्रस्तुत किया।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और उल्लेखनीय पक्ष यह है कि यह प्रतिक्रिया केवल सामान्य उपयोगकर्ताओं तक ही सीमित नहीं रही बल्कि कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों और सार्वजनिक जीवन के प्रभावशाली लोगों ने भी उन्हें अननुगामित करने का निर्णय लिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह आक्रोश केवल व्यक्तिगत या भावनात्मक स्तर पर नहीं था बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक और बौद्धिक प्रतिक्रिया थी जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोग सम्मिलित थे। राजनीति के विशेषज्ञों का यह तर्क है कि इस घटना के पीछे केवल एक दल बदलने का निर्णय नहीं है बल्कि उस निर्णय से जुड़ी जन-अपेक्षाएं और विश्वास का भंग होना सम्मिलित है। जब कोई राजनेता अपनी विशिष्ट पहचान एक विशेष विचारधारा या नैतिकता के आधार पर निर्मित करता है तो उसके समर्थक उसी वैचारिक धरातल पर उससे जुड़ते हैं। यदि वह राजनेता अचानक उस दिशा से पूर्णतः विपरीत कोई कदम उठाता है तो उन समर्थकों के लिए इस आकस्मिक बदलाव को स्वीकार करना और उसके साथ समन्वय बिठाना अत्यंत कठिन हो जाता है। यह स्थिति विश्वास के संकट को जन्म देती है जिसका परिणाम हम आंकड़ों की गिरावट के रूप में देखते हैं।

तथापि यह स्वीकार करना भी अनिवार्य है कि इस संपूर्ण प्रकरण ने उनकी सार्वजनिक छवि को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। किसी भी सार्वजनिक जीवन जीने वाले व्यक्ति विशेषकर एक राजनेता के लिए जनता का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी और वास्तविक पूंजी होती है। जब उस विश्वास की नींव पर ही प्रश्नचिह्न अंकित होने लगें तो उसे पुनः स्थापित करना कोई सरल कार्य नहीं होता। इसके लिए केवल सुंदर वक्तव्य या विज्ञापन के माध्यम से किया गया प्रचार पर्याप्त नहीं होता बल्कि इसके लिए निरंतर कार्य, नैतिक स्पष्टता और एक पारदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। इस पूरे मामले में एक और रोचक पक्ष यह है कि अंतर्जाल की गति और उसके व्यापक प्रभाव ने राजनीति के व्याकरण को पूरी तरह परिवर्तित कर दिया है। पहले के युग में जहाँ किसी भी राजनीतिक निर्णय के प्रभाव को समझने और मापने में महीनों या वर्षों का समय लग जाता था वहीं अब मात्र कुछ ही घंटों में उस निर्णय की व्यापक प्रतिक्रिया जनता के सामने आ जाती है। यह परिवर्तन आधुनिक नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती भी है और एक अवसर भी। यदि वे सही और ईमानदार तरीके से इन माध्यमों का उपयोग करें तो वे सीधे जनता से संवाद स्थापित कर सकते हैं और अपनी नीतियों को स्पष्ट कर सकते हैं। परंतु यदि वे ऐसा करने में विफल रहते हैं या उनके कार्यों में कथनी और करनी का अंतर दिखता है तो यही माध्यम उनके विरुद्ध एक शक्तिशाली शस्त्र के रूप में भी कार्य कर सकता है। राघव चड्ढा के मामले में यह दूसरी स्थिति अधिक प्रबलता से दिखाई देती है जहाँ उनकी वर्षों में निर्मित आभासी छवि अचानक एक बड़ी चुनौती के घेरे में आ गई है। यह संपूर्ण घटना केवल एक व्यक्ति विशेष की कथा नहीं है बल्कि यह आधुनिक राजनीति के परिवर्तित होते हुए व्याकरण का एक सटीक उदाहरण है। यह इस तथ्य को रेखांकित करती है कि आज का मतदाता और नागरिक केवल मतदान दिवस पर ही सक्रिय नहीं होता बल्कि वह राजनेता के प्रत्येक निर्णय और गतिविधि पर सूक्ष्म दृष्टि रखता है और उस पर त्वरित प्रतिक्रिया देता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि राघव चड्ढा के अनुगामियों में आई यह भारी कमी एक प्रतीक के रूप में कार्य करती है जो हमें यह चेतावनी देती है कि इस तीव्र गति वाले युग में राजनीति कितनी चंचल और अनिश्चित हो गई है।

यह संपूर्ण घटना केवल एक व्यक्ति विशेष की कथा नहीं है बल्कि यह आधुनिक राजनीति के परिवर्तित होते हुए व्याकरण का एक सटीक उदाहरण है। यह इस तथ्य को रेखांकित करती है कि आज का मतदाता और नागरिक केवल मतदान दिवस पर ही सक्रिय नहीं होता बल्कि वह राजनेता के प्रत्येक निर्णय और गतिविधि पर सूक्ष्म ष्टि रखता है और उस पर त्वरित प्रतिक्रिया देता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि राघव चड्ढा के अनुगामियों में आई यह भारी कमी एक प्रतीक के रूप में कार्य करती है जो हमें यह चेतावनी देती है कि इस तीव्र गति वाले युग में राजनीति कितनी चंचल और अनिश्चित हो गई है।

नजरिया

गर्म हवाओं से तप रहा है देश

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 981061100

देश के कई राज्यों में वायुमंडल में अंगड़ाई ले रहीं गर्म हवाओं ने अप्रैल माह में ही तापमान 45 डिग्री के पार पहुंचा दिया है। मौसम की जानकारी देने वाली निजी एजेंसी स्काई मेट के अनुसार इसका मुख्य कारण केवल सामान्य मौसमी बदलाव न होकर वह उष्मा का बन जाने वाला छत्रीनुमा गोला है, जो आधे भारत के राज्यों में मंडरा रहा है। इस समय दिल्ली, उप्र, राजस्थान, हरियाणा, मप्र, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और तेलांगाना में गर्मी एकाएक बढ़ गई है। इस प्राकृतिक स्थिति को उष्मा का क्षत्रप (हीट डोम) या गुंबद कहा जा रहा है। यह क्षत्रप तब बनता है, जब वायुमंडल में उच्च दबाव की एक प्रणाली लंबे समय तक किसी एक क्षेत्र में ठहर जाती है। दरअसल यह एक बर्तन के ढक्कन की तरह गर्म हवा को नीचे धरती की तरफ दवाएं रखती है, जो तेज गर्मी का कारण बन जाती है। नतीजतन ऐसे क्षेत्रों में तापमान खतरनाक ढंग से बढ़ जाता है और कई दिनों या हफ्तों तक भीशण गर्मी या लू बनी रहती है। गर्मी की इस प्रचंड स्थिति को ग्लोबल वार्मिंग का कारन बताया जा रहा है।

भारतीय मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान ने इस संकट को और बढ़ाने के संकेत दिए हैं। अगले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के ज्यादातर हिस्सों में भीषण लू के रूप में गर्म हवाएं चलने की आशंका है। इस बार गर्मी का मिजाज इसलिए भी अलग है, क्योंकि कई तटीय इलाकों और मैदानी क्षेत्रों में नमी वाली गर्मी यानी उमस का असर भी देखने में आ रहा है। इससे लू लगने का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। आजकल आधे भारत में तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया है, जो लोगों को पस्त कर रहा है। अतएव हरेक जुबान पर प्रचंड धूप और गर्मी जैसे बोल आमफहम हो गए हैं। हालांकि लू और प्रचंड गर्मी के बीच भी एक अंतर होता है। गर्मी के मौसम में ऐसे क्षेत्र जहां तापमान, औसत तापमान से कहीं ज्यादा हो और पांच दिन तक यही स्थिति यथावत बनी रहे तो इसे लू यानी गर्मी का

गोला कहने लगते हैं। मौसम की इस असहनीय विलक्षण दशा में नमी भी समाहित हो जाती है। यही सर्द-गर्म थपेड़े लू की पीड़ा और रोग का कारण बन जाते हैं। किसी भी क्षेत्र का औसत तापमान, किस मौसम में कितना होगा, इसकी गणना एवं मूल्यांकन पिछले 30 साल के आंकड़ों के आधार पर की जाती है। वायुमंडल में गर्म हवाएं आमतौर से क्षेत्र विषेश में अधिक दबाव की वजह से उत्पन्न होती हैं। वैसे तेज गर्मी और लू पर्यावरण और बारिष के लिए अच्छी होती हैं। अच्छा मानसून इन्हीं आवारा हवाओं का पर्याय माना जाता है, क्योंकि तपिश और बारिश में गहरा अंतर्संबंध है।

धूप और लू के इस जानलेवा संयोग से कोई व्यक्ति पीड़ित हो जाता है, तो उसके लू उतारने के इंतजाम भी किए जाते हैं। दरअसल लू सीधे दिमागी गर्मी को बढ़ा देती है। अतएव इसे समय रहते ठंडा नहीं किया तो यह बिगडा अनुपात व्यक्ति को बौरा (पागल) भी सकता है। वैसे शरीर में प्राकृतिक रूप से तापमान को नियंत्रित करने का काम मस्तिष्क में हाइपोथैलेमस अर्थात अधष्चेतक क्षेत्र करता है। इसका सबसे महत्वपूर्ण कार्य पियूश ग्रंथी के माध्यम से तंत्रिका तंत्र को अंतःस्रावी प्रक्रिया के माध्यम से तापमान को संतुलित बनाए रखना होता है। इसे चिकित्साशास्त्र की भाषा में हाइपर-पीरेक्सिया कहते हैं। यानी शरीर के तापमान में असमान वृद्धि या अधिकतम बुखार का बढ़ जाना। इसकी चपेट में बच्चे और बुजुर्ग आसानी से आ जाते हैं। बाहरी तापमान जब शरीर के भीतरी तापमान को बढ़ा देता है, तो हाइपोथैलेमस तापमान को संतुलित बनाए रखने का काम नहीं कर पाता। नतीजतन शरीर के भीतर बढ़ गई अनावश्यक गर्मी बाहर नहीं निकल पाती है, जो शरीर में लू का कारण बन जाती है। इस स्थिति में शरीर में कई जगह प्रोटीन जमने लगता है और शरीर के कई अंग एक साथ निष्क्रियता की स्थिति में आने लग जाते हैं। ऐसा शरीर में पानी की कमी यानी डी-हाईड्रेशन के कारण भी होता है।

हवाएं गर्म या आवारा हो जाने का प्रमुख कारण ऋतुचक्र का उलटफेर और भूतापीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) का औसत से ज्यादा बढ़ना है। इसीलिए वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस बार प्रलय धरती से नहीं आकाषीय गर्मी से आएगी। जिस आकाश को हम निरीह और खोखला मानते हैं, परंतु वास्तव में यह खोखला है नहीं। भारतीय दर्शन में इसे पांचवां तत्व यूं ही नहीं माना गया है। सचाई है कि यदि परमात्मा ने आकाश तत्व की उत्पत्ति नहीं की होती, तो संभवतः आज हमारा अस्तित्व ही नहीं होता। हम श्वास भी नहीं ले पाते। पृथ्वी, जल, अग्नि और वायु ये चारों तत्व आकाश से ऊर्जा लेकर ही क्रियाशील रहते हैं। ये सभी तत्व परस्पर परावलंबी हैं। यानी किसी एक तत्व का वजूद क्षीण होगा तो अन्य को भी छीजने की इसी अवस्था से गुजरना होगा। प्रत्येक प्राणी के शरीर में आंतरिक स्फूर्ति एवं प्रसन्नता की अनुभूति आकाष तत्व से ही संभव होती है, इसलिए इसे ब्रह्मतत्व भी कहा गया है। अतएव प्रकृति के संरक्षण के लिए सुख के भौतिकवादी उपकरणों से मुक्ति की जरूरत है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से स्पष्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्ष चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठानी पड़ सकती है।

हवाएं गर्म या आवारा हो जाने का प्रमुख कारण ऋतुचक्र का उलटफेर और भूतापीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) का औसत से ज्यादा बढ़ना है। इसीलिए वैज्ञानिक दावा कर रहे हैं कि इस बार प्रलय धरती से नहीं आकाषीय गर्मी से आएगी। जिस आकाश को हम निरीह और खोखला मानते हैं, परंतु वास्तव में यह खोखला है नहीं। भारतीय दर्शन में इसे पांचवां तत्व यूं ही नहीं माना गया है। सच्चाई है कि यदि परमात्मा ने आकाश तत्व की उत्पत्ति नहीं की होती, तो संभवतः आज हमारा अस्तित्व ही नहीं होता।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

नृत्य कार्यक्रम में छात्रा के गले पड़ा मानव रोबोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। चीन में एक विश्वविद्यालय के नृत्य कार्यक्रम में प्रदर्शन कर रहे एक मानवाकार रोबोट ने अचानक एक छात्रा के करीब जाकर उसे गले लगा लिया, जिससे दर्शक चौंक गए। इसके बाद कर्मचारियों ने तुरंत उसे उससे दूर खींच लिया।

चीन के शानक्सी प्रांत में स्थित विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है। इस घटना के बाद चीन में सोशल मीडिया में इस बात पर बहस छिड़ गई कि क्या रोबोट ने अपने आप ऐसा व्यवहार करना सीखा या उसे उसके संचालक द्वारा नियंत्रित किया गया था।

इस घटना ने विशेषज्ञों को सुरक्षा के बेहतर उपाय विकसित करने के लिए प्रेरित किया है क्योंकि चीन में सार्वजनिक कार्यक्रमों में रोबोट की भागीदारी आम बात हो गई है, और सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में देश की बढ़ती शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए प्रयासरत है। इस घटना पर टिप्पणी करते हुए एक कर्मचारी ने मीडिया को बताया कि रोबोट और छात्रों के एक क्लब के बीच संयुक्त प्रदर्शन परिसर की सांस्कृतिक गतिविधियों में नवाचार लाने का एक प्रयास था। सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने रविवार को बताया कि घटना में शामिल छात्रा को कोई चोट नहीं आई और बाद में उसने मीडिया को साक्षात्कार देने से इनकार कर दिया।

रोबोट के अप्रत्याशित व्यवहार ने ऑनलाइन चर्चा छेड़ दी है। कुछ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने सवाल उठाया कि क्या रोबोट ने स्वतंत्र चेतना विकसित कर ली है, जबकि अन्य ने पूछा कि क्या यह हरकत किसी ऑपरेटर द्वारा नियंत्रित थी या प्रदर्शन के हिस्से के रूप में पहले से तय की गई थी।

खबर के अनुसार, विश्वविद्यालय के एक कर्मचारी ने इस बात से इनकार किया कि यह हरकत पहले से तय थी और कहा, उस समय हमें जो समझ में आया, उसके आधार पर रोबोट ने गलती की।

ग्लोबल टाइम्स अखबार के अनुसार, कर्मचारी ने बताया कि यह गलती एआई प्रोग्राम की खराबी के कारण हुई थी।

प्रदर्शन में इस्तेमाल किया गया रोबोट एक पूर्व छात्र द्वारा स्थापित कंपनी द्वारा उपलब्ध कराया गया था और कार्यक्रम के बाद उसे वापस कर दिया गया था।

शांगयू न्यूज की खबर के अनुसार, विश्वविद्यालय ने बाद में कंपनी से संपर्क किया जिसने घटना का कारण कार्यक्रम स्थल पर सिग्नल में व्यवधान बताया।

कंपनी के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान कई ड्रोन एक साथ चल रहे थे, जिससे सिग्नल बाधित हुए और रोबोट का व्यवहार असामान्य हो गया। कंपनी ने कहा कि यह पूर्व नियोजित नहीं था।

केंद्रीय मंत्री गोयल और न्यूजीलैंड के मंत्री ने अपनी पत्नियों के साथ ताजमहल के दीदार किए

आगरा (उप्र)/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के वाणिज्य मंत्री टॉड मैक्ले ने रविवार सुबह यहां अपनी पत्नियों के साथ ताजमहल का भ्रमण किया।

भ्रमण के बाद गोयल ने बताया कि न्यूजीलैंड के मंत्री और उनकी पत्नी ताजमहल देखना चाहते थे। उन्होंने कहा कि सोमवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके तहत भारत से न्यूजीलैंड भेजे जाने वाले सामान पर कर नहीं लगेगा, जिससे आगरा के चमड़ा उद्योग समेत कई क्षेत्रों में नए अवसर खुलेंगे। विधानसभा चुनावों पर पूछे गए सवाल के जवाब में गोयल ने कहा कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोगों में बदलाव की इच्छा है। राघव चड्ढा समेत सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली और पंजाब के लोगों को परेशान किया है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों में आप सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया था, ऐसे में सांसदों को लगा कि आप के मूल्य और सिद्धांत खत्म हो गए हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के आसपास सिर्फ भ्रष्टाचारी समूह रह गया है, इसलिए उन्होंने पार्टी छोड़ी। गोयल ने यह भी कहा, हो सकता है कि आगे और लोग भी पार्टी छोड़ें। आम आदमी पार्टी और उसके नेतृत्व ने लोगों की उम्मीदों की अनदेखी की है। केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आगरा में चमड़ा एवं जूता, आयुष, फार्मा, चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग और खेल सामग्री क्षेत्रों के उद्योगपतियों के साथ एक ज्ञानवर्धक सम्मेलन हुआ।

एक्टर अनुपम खेर और बोमन ईरानी शनिवार को मुंबई में भारत में माइकल जैक्सन की विरासत के 30वें साल के जश्न में।

प्रियंका चोपड़ा को मिलेगा 'ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को उनके अंतरराष्ट्रीय करियर में एक और बड़ी उपलब्धि मिलने जा रही है। गोल्ड हाउस द्वारा आयोजित 'गोल्ड गाला 2026' में उन्हें प्रतिष्ठित ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर से सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह 9 मई को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन स्थित 'द म्यूजिक सेंटर' में आयोजित होगा, जहां मनोरंजन और कला जगत की कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां मौजूद रहेंगी।

प्रियंका को यह सम्मान फिल्म जगत में उनके 25 वर्षों के योगदान और एशियाई प्रशांत संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में उनकी भूमिका के लिए दिया जा रहा है। गोल्ड हाउस के अनुसार, प्रियंका ने भारतीय सिनेमा और हॉलीवुड के बीच एक मजबूत सेतु का काम किया है और अपनी प्रतिभा से दुनियाभर में अलग पहचान बनाई है। इस सम्मान समारोह में चार्ल्स मेल्टन, जेट ली, सिमु लियू और ईजेएई जैसे अन्य चर्चित नाम भी सम्मानित किए जाएंगे।

'गोल्ड गाला' का यह पांचवां संस्करण होगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 650 से अधिक मेहमान गोल्ड 100 सूची में शामिल हस्तियों का जश्न मनाने के लिए एकत्र होंगे। प्रियंका का नाम इस सूची में शामिल होना उनके लगातार बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। अभिनय के साथ-साथ वह अपनी प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स के जरिए भी कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स से जुड़ी रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने बीते कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उनका नाम टाइम 100 और फोर्ब्स की प्रभावशाली महिलाओं की सूची में भी शामिल हो चुका है। आने वाले समय में वह निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

दिलजीत दोसांझ सिर्फ गायक नहीं, मनोरंजन का फुल पैकेज हैं: गीता बसरा

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वे दिलजीत उनके 'ऑल-टाइम फेवरेट' पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं।

अभिनेत्री ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं। गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉर्मेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है। दिलजीत की बात करें तो वे जल्द ही दर्शकों के लिए फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 1947 के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक अधूरी प्रेम कहानी है। इसमें वेदांग रैना, शरवरी वाघ और नसीरुद्दीन शाह अहम भूमिकाओं में हैं।

हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

चेन्नई/एजेन्सी

फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं। वह नई वेब सीरीज 'गली' में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही है। अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा, मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूं कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल असली लगें और दर्शकों को ऐसा महसूस हो कि मेरा किरदार उसी माहौल का हिस्सा है।

हंसिका मोटवानी ने कहा, मैंने किसी डायलॉग ट्रेनर की मदद नहीं ली। मैंने खुद मेहनत करके अपनी तैयारी की। हालांकि, पूरी टीम साथ बैठकर कई बार वर्कशॉप करती थी, ताकि हर डायलॉग और हर शब्द सही तरीके से बोला जा सके। टीम के साथ बैठकर बार-बार डायलॉग्स पढ़ने और बोलने से मुझे काफी मदद मिली। इससे भाषा की बारीकियों को समझने का मौका मिला। हंसिका ने आगे कहा, यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है।

छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी। उन्होंने कहा, इस किरदार को निभाते समय मैं यह भी समझने की कोशिश कर रही थीं कि उस इलाके के लोग कैसे बात करते हैं, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं और किस तरह का लहजा इस्तेमाल करते हैं। जब तक कलाकार किरदार की भाषा को सही तरीके से नहीं समझता, तब तक वह उस किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सकता।

गृहणियों को 'घर का सुपरस्टार' मानते हैं अक्षय कुमार

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री को हर जॉनर की एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के सेट पर गृहणियों पर फिल्म बनाने की मंशा जताई। अक्षय कुमार ने गृहणियों को सम्मान देते हुए उन्हें 'घर का सुपरस्टार' का खिताब दिया। अभिनेता ने 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के सेट पर यह घोषणा की। अक्षय कुमार इस शो के होस्ट हैं। शो के दौरान सेट पर 'तुम हो ना' नामक दूसरे रियलिटी शो की प्रतियोगी अंकिता, पूजा और दिव्या भी मौजूद थीं। उन्होंने इन तीनों महिलाओं से बातचीत करते हुए अपनी फिल्म की परिकल्पना साझा की। अक्षय ने कहा, बहुत समय से मैं एक फिल्म बनाने की कोशिश कर रहा हूं। यह फिल्म महिलाओं पर आधारित होगी, जहां पूरी दुनिया उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरे पास इसकी पूरी स्क्रिप्ट तैयार पड़ी है। बस मैं इंतजार कर रहा हूं कि कोई इस फिल्म को बनाने के लिए तैयार हो जाए।

अभिनेता ने बताया कि घर संभालने वाली महिलाओं की अनदेखी मेहनत को वह बड़े पर्दे पर लाना चाहते हैं। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार होने के बावजूद अभी प्रोडक्शन और निर्देशक को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। उन्होंने गृहणियों की ताकत, जज्बे और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को फिल्म में दिखाने की इच्छा जताई। 'तुम हो ना' शो में इन प्रतियोगियों की यात्रा ठीक उसी विषय को छूती है जिसे अक्षय अपनी फिल्म में पेश करना चाहते हैं। उनकी यह बात दिल को छू लेने वाली रही और सेट पर मौजूद सभी लोगों ने उनकी इस सोच का समर्थन किया। अक्षय कुमार अब टेलीविजन पर भी सक्रिय हैं। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के पहले सीजन की सफलता के बाद वह शो के दूसरे सीजन को होस्ट कर रहे हैं, जो दर्शकों को पसंद आ रहा है।

प्रचार

भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने रविवार को पूर्व बर्धमान जिले में पश्चिम बंगाल असेंबली इलेक्शन के दूसरे फेज से पहले, पूर्वस्थली उत्तर असेंबली सीट से पार्टी कैंडिडेट गोपाल चट्टोपाध्याय के सपोर्ट में रोड शो किया।

सम्मान

बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी रविवार को बिहार के पटना जिले में पार्टी ऑफिस में भामाशाह जयंती के दौरान सम्मानित किया गया।

'खलनायक रिटर्न्स' : फिर से आ रहा 'बल्लू बलराम'

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता संजय दत्त एक बार फिर अपने खलनायक अंदाज में नजर आने वाले हैं। साल 1993 की सुपरहिट फिल्म 'खलनायक' का एंटी-हीरो किरदार 'बल्लू बलराम' अब नए रूप में बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने संजय दत्त के नए किरदार का पोस्टर शेयर करते हुए खुशी जताई है। सुभाष घई ने मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड की ओर से लिखा, हम सभी यह देखकर बहुत खुश हैं कि हमारे प्यारे संजू 'खलनायक रिटर्न्स' के साथ वापस आ गए हैं। शुक्रवार को मीडिया को इसका एक जबरदस्त टीजर दिखाया गया, जिसे सबने खूब सराहा। उन्होंने आगे कहा कि बल्लू बलराम जैसे आइकॉनिक किरदार को दोबारा निभाना संजय दत्त के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि संजय इस बार भी अपने अभिनय से सभी को प्रभावित कर देंगे। घई ने संजय दत्त और पूरी टीम के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

संजय दत्त ने शुक्रवार को खुद 'खलनायक रिटर्न्स' फिल्म की आधिकारिक घोषणा की। यह फिल्म 1993 की मूल 'खलनायक' का नया संस्करण बताई जा रही है। मूल फिल्म में संजय दत्त ने खलनायक का रोल किया था, जो उस समय काफी चर्चित रहा था। 'बल्लू बलराम' का किरदार आज भी दर्शकों की याद में ताजा है। मूल फिल्म 'खलनायक' उस समय की कल्ट क्लासिक बन गई थी। इसमें संजय दत्त के अलावा माधुरी दीक्षित, जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म के गाने और डायलॉग आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।शुक्रवार को मुंबई में एक इवेंट के दौरान संजय दत्त ने घोषणा की कि उनकी कंपन.ी 'थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स' और अक्षा कंबोज की 'एस्पेक्ट एंटरटेनमेंट' ने सुभाष घई की मुक्ता आर्ट्स से क्लासिक फिल्म 'खलनायक' के सीक्वल के अधिकार खरीद लिए हैं।

इवेंट में 'खलनायक रिटर्न्स' का छोटा टीजर भी रिलीज किया गया, जिसमें संजय दत्त अपने मशहूर किरदार 'बल्लू बलराम' के नए और दमदार अवतार में नजर आए।संजय ने सुभाष घई को शुक्रिया अदा करते हुए कहा, खलनायक का सफर बहुत लंबा रहा है।

सुभाष के बिना यह मुमकिन नहीं था। वह एक लीजेंड हैं और एंटरटेनमेंट की दुनिया के बेताज बादशाह हैं। वे इस नई फिल्म का भी हिस्सा होंगे।नई फिल्म 'खलनायक रिटर्न्स' के बारे में ज्यादा डिटेल्स नहीं बताई गई है।

सच्ची धुन और ईमानदारी से बना संगीत अपनी जगह बनाने में हमेशा सफल रहता है : डब्बू मलिक

मुंबई/एजेन्सी

संगीतकार डब्बू मलिक इन दिनों अपने रोमांटिक ट्रैक 'थोड़ी देर ठहर' को लेकर चर्चा में हैं। आईएएनएस के साथ खास बातचीत में उन्होंने आज के समय में बदलते संगीत के महत्व पर विचार साझा किए। डब्बू का मानना है कि संगीत को किसी एक दायरे में नहीं बांधा जा सकता है। संगीत हर इंसान के लिए अलग होता है, जैसे हर किसी का स्वाद अलग है, ठीक वैसे ही हर श्रोता अपनी पसंद के हिसाब से प्लेलिस्ट चुनता है। कुछ लोगों को तेज और शोर-शराबे वाले संगीत पसंद आते हैं, तो कुछ सुकून और सादगी की तलाश में रहते हैं। हमारा गाना 'थोड़ी देर ठहर' उन लोगों के लिए है, जो भावनाओं को धुन के जरिए महसूस करना चाहते हैं। डब्बू ने अपने नए गाने की प्रेरणा के बारे में बात करते हुए सादगी पर जोर दिया। डब्बू ने बताया कि इस गाने में कोई कठिन शब्द या बहुत भारी शायरी नहीं है। उन्होंने कहा, यह गाना मुझे इसलिए भी पसंद आया क्योंकि इसमें कोई दिखावा नहीं है। यह दो लोगों के बीच की एक साधारण बातचीत जैसा लगता है। जब हम किसी अपने से बात करते हैं, तो मुश्किल कविता नहीं पढ़ते हैं, बल्कि, दिल से बोलते हैं।

डब्बू ने आगे बातचीत में स्पष्ट किया कि वे अपनी मूल (मेलोडी) को नहीं छोड़ सकते, लेकिन आज की युवा पीढ़ी से जुड़ने के लिए वे नई साउंड तकनीक और आधुनिक स्टाइल को जरूर अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि अगर धुन मधुर हो, तो उसे किसी भी आधुनिक तरीके से पेश किया जा सकता है। आज के रीमिक्स कल्चर पर डब्बू ने सकारात्मक नजरिया पेश करते हुए कहा, पुराने गाने इसलिए दोबारा बनाए जा रहे हैं क्योंकि उनकी मेलोडी बहुत शक्तिशाली थी। यह समय का एक चक्र है। आज जो गाने हिट हो रहे हैं, भविष्य में उनके भी रीमिक्स बनेंगे। संगीतकार ने कहा, वर्तमान में हर दिन लाखों गाने रिलीज हो रहे हैं, जिससे किसी भी गाने के लिए अपनी अलग पहचान बनाना कठिन हो गया है, लेकिन मुझे विश्वास है कि सच्ची धुन और ईमानदारी से बना संगीत अपनी जगह बनाने में हमेशा सफल रहता है।

राज्यपाल आर्लेकर ने किया अग्रवाल सभा के प्लेटिनम जुबली लोगो का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने 26 अप्रैल को आयोजित 'श्री अग्रवाल सभा' के प्लेटिनम जुबली (75वें वर्ष) समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने 'श्री अग्रवाल सभा' के प्लेटिनम जुबली लोगो का अनावरण किया। अपने उद्घाटन भाषण में, राज्यपाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विज़न को याद किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि इस विज़न को साकार करने के लिए सभी नागरिकों के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

उन्होंने अग्रवाल समुदाय से आग्रह किया कि वे तमिलनाडु के आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य सेवा विकास की दिशा में अपने सराहनीय योगदान को जारी रखें, जिससे राष्ट्रीय प्रगति में भी योगदान मिल सके।

राज्यपाल ने उल्लेख किया कि अग्रवाल समुदाय की पूरे देश में एक मज़बूत उपस्थिति है और यह समुदाय स्थानीय संस्कृतियों के साथ सहजता से घुल-मिल जाने की अपनी क्षमता के लिए जाना जाता है, साथ ही वे राष्ट्र-निर्माण की गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 'विकसित भारत' का मार्ग 'विकसित तमिलनाडु' और अलग-अलग राज्यों के विकास के माध्यम से ही प्रशस्त होगा।

सामाजिक उत्तरदायित्व पर ज़ोर देते हुए, राज्यपाल ने गौशालाओं की स्थापना और उन्हें सहयोग देने, साथ ही शैक्षिक और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को मज़बूत बनाने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन के स्रोत के रूप में महाराजा अग्रवाल की प्रतिमा स्थापित करने का सुझाव भी दिया। राष्ट्रीय एकता की पुष्टि करते हुए, उन्होंने कहा कि भारत उत्तर से दक्षिण तक एक और अखंड बना हुआ है।

प्लेटिनम जुबली के इस अवसर पर, राज्यपाल ने पिछले 75 वर्षों में 'श्री अग्रवाल सभा' द्वारा दिए गए निरंतर और सार्थक योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के मील के पत्थर आत्म-निरीक्षण का अवसर भी प्रदान करते हैं, जिससे उपलब्धियों का आकलन किया जा सके और भविष्य के प्रयासों के लिए आगे की रूपरेखा तैयार की जा सके।

इस मौके पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष सीताराम गोयल, महासचिव बाल गोविंद गुप्ता, प्लेटिनम जुबली चेयरमैन विजय कुमार गोयल, कार्यक्रम चेयरमैन अरुण कुमार सुल्तानिया, गणमान्य व्यक्ति, विशिष्ट आमंत्रित अतिथि, विशेष मेहमान तथा अग्रवाल सभा के सदस्य और उनके परिवार इस समारोह में शामिल हुए।

तेरापंथ माधावरम् ट्रस्ट बोर्ड की वार्षिक अधिवेशन हुआ

घीसूलाल बोहरा बने प्रबंधन्यासी और अशोक आच्छा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ माधावरम् ट्रस्ट बोर्ड का वार्षिक अधिवेशन आचार्य महाश्रमण पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ।

प्रबंधन्यासी घीसूलाल बोहरा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री पुखराज चोरड़िया ने मंत्री प्रतिवेदन, कोषाध्यक्ष गौतमचंद समदड़िया आय-व्यय ब्योरा सदन में प्रस्तुत किया। सभासदों ने सर्वसम्मति से ओम अर्हम् की ध्वनि से पास किया। योगक्षेम वर्ष के अंतर्गत लाडनू में ट्रस्ट बोर्ड द्वारा संचालित व्यवस्था में सहयोगी बने विसर्जन कर्ताओं का ट्रस्ट बोर्ड द्वारा सम्मान किया गया। सम्मान समारोह का संचालन सुरेश रांका ने किया। अधिवेशन की चुनावी कार्यवाही के लिए चुनाव अधिकारी निर्मल सेठिया के मंच सौपा गया। चुनाव अधिकारी ने प्राप्त चार नामांकन पत्र एक ही व्यक्ति के मिलने की जानकारी देते हुए, आगामी दो वर्षीय कार्यकाल के लिए पुन: घीसूलाल बोहरा को प्रबंध न्यासी पद के निर्वाचन की घोषणा करते हुए दायित्व पत्र प्रदान किया। घीसूलाल बोहरा ने पुन: सदन द्वारा विशिष्ट विश्वास के साथ दायित्व सौंपने पर साधुवाद देते हुए आगामी भवन निर्माण व अन्य कार्यों के लिए सभी के सहयोग का आह्वान किया। आपने अपनी टीम की घोषणा करते हुए सभी को मंच पर आमंत्रित किया। प्रबंध न्यासी घीसूलाल बोहरा, उपाध्यक्ष वरिष्ठ रमेश परमार, उपाध्यक्ष कनिष्ठ गणपत डागा और सुरेश रांका, मंत्री अशोक आच्छा, सहमंत्री प्रथम अनिल सेठिया और द्वितीय प्रवीण कोठारी, कोषाध्यक्ष गौतमचंद समदड़िया, संगठन मंत्री श्रपुखराज चोरडिया की घोषणा की।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथ उत्तर चेन्नई सभा अध्यक्ष इन्दरचन्द डूंगरवाल, हरिसिंह हीरावत आदि ने नवगठित टीम को बधाईयाँ सम्प्रेषित की। अधिवेशन कार्यवाही का संचालन मंत्री पुखराज चोरड़िया ने किया। प्रचार-प्रसार प्रभारी स्वरूप चन्द दाँती ने आभार ज्ञापन दिया। अधिवेशन के पश्चात नवगठित टीम व सदस्यगणों ने किलपॉक में विराजित साध्वी श्री उदितयशा के दर्शन किए।

सुन्दरकांड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में 26 अप्रैल को 1466वां साप्ताहिक सुन्दरकांड का पाठ कवालिपालियम के रमणजी के निवास पर हुआ। सुन्दरकाण्ड पाठ गणेश वन्दना एवं मन्त्रोच्चारण करके पाठ चालू किया पाठ में बालाजी कि कृपा से काफी संख्या मे श्रद्धालु आए। मां दुर्गा भक्त मंडल कि और से अध्यक्ष अशोक जी शर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार जी शर्मा ने रमण परिवार का आभार वयक्त किया।

कोयम्बटूर में तेरापंथ संघ ने मनाया आचार्यश्री का जन्मोत्सव व पट्टोत्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां गांधीपार्क स्थित तेरापंथ भवन में तेरापंथ संघ के आचार्यश्री महाश्रमणजी का 17वां पट्टोत्सव व 65वां जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वीश्री आस्थाश्रीजी ने स्व रचित गीत द्वारा किया गया। वैभव नाहटा, धर्मीचंद बोथरा, मोहनलाल बुच्चा, सभा अध्यक्ष देवीचंद मंडोत एवं ज्योति सुराणा, हेमा भंसाली ने गुरुदेव के प्रति अपनी भावना व मंगलकामनाएं व्यक्त की। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सुमधुर गीतिका के साथ ज्ञानशाला के बच्चों ने तेरापंथ का परचम लहराते हुए अच्छी प्रस्तुति दी।

साध्वीश्रीआस्था प्रभाजी ने योगक्षेम वर्ष में, इस भरत क्षेत्र के सीमंधर स्वामी- आचार्य महाश्रमणजी के दर्शन करने की प्रेरणा दी। वह मिनिमम और मैक्सिमम के मैजिक के विषय में वक्तव्य प्रस्तुत किया। साध्वीवृंद के संगान से भवन गूंज उठा। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने आचार्य श्री महाश्रमणजी के जीवनी के अनेक प्रसंग व पहलुओं का सुंदर चित्रण शब्दों द्वारा प्रस्तुत किया। तपस्वी बहनों व तत्व विज्ञ महिलाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन साध्वीश्री दीक्षा प्रभाजी ने किया।

भगवान महावीर केवलज्ञान कल्याणक पर हुई सामायिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में 26 अप्रेल को किलपॉक स्थित सामायिक-स्वाध्याय भवन में भगवान महावीर का 2583वाँ केवलज्ञान कल्याणक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सामूहिक सामायिक की गई, जिसमें स्वाध्यायी सुमेरमल बाघमार ने उद्बोधन दिया। उन्होंने व्रतधारी श्रावक श्राविका बनने की बात कही। बलभद्र मुनि और दर्शन मुनि का उदाहरण देते हुए उन्होंने संयम का महत्व बताया। अणुव्रत समिति की अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत ने अणुव्रत अपनाने की प्रेरणा दी। श्री जैन रत्न श्राविका मंडल की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मधु सुराणा ने लुणावत को साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग द्वारा संपादित अष्टपाहुड ग्रंथ भेंट किया। डॉ. दिलीप धींग ने अ.भा. श्री जैन आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड के निदेशक अशोक बाफना को अपनी काव्यकृति 'समय के अश्व' और अनूदित कृति 'संघर्ष से उत्कर्ष' भेंट की। लुणावत ने सुराणा और बाफना को अणुव्रत डायरी भेंट की। कार्यक्रम में अ.भा. श्री जैन रत्न युवक परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बुधमल बोहरा, सरदारकुँवर कवाड़, अणुव्रत समिति के उपाध्यक्ष स्वरूपचंद दांती, मंत्री कुशलराज बांठिया सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएँ उपस्थित थे। बैशाख शुक्ल एकादशी, 27 अप्रैल को जैन समाज में वीरप्रभु शासन स्थापना दिवस मनाया जाएगा। जैन समाज में इस पर्व की प्रेरणा का मूल श्रेय साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग को जाता है। ढाई दशक पूर्व डॉ. धींग ने इस आयोजन को लेकर सार्थक पहल व सफल प्रयास किए थे।

तीर्थंकरों द्वारा स्थापित सर्वोच्च संस्था है चतुर्विध संघ : आचार्यश्री अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूरु रोड स्थित सुशील धाम में चल रहे समर उपधान तप के अंतर्गत भगवान महावीर स्वामी के केवलज्ञान कल्याणक और शासन स्थापना दिवस विषय पर प्रवचन देते हुए आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिस तरह देश की सुचारु राज्य व्यवस्था के लिए प्रशासन जरूरी है उसी प्रकार समस्त जीवसृष्टि के कल्याण हेतु नीति नियमों का ढांचा जरूरी है। भगवान महावीर स्वामी ने वैशाख शुक्ल 11 के दिन इसी ढांचे यानी शासन की स्थापना की। इस आज्ञातंत्र को स्वीकारने वाला प्रत्येक साधक सुखी बन सकता है। जिस प्रकार राज्य अपने दायरे में आने वाले नागरिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेता है उसी प्रकार जिनशासन भी अपनी शरण में आने वाले प्रत्येक साधक के जीवन में सुख प्राप्ति और दु:ख मुक्ति सुनिश्चित करता है।ङ्गआचार्यश्री ने कहा कि आज से करीब 2600 वर्ष पूर्व वैशाख शुक्ल दशमी के दिन भगवान महावीर स्वामी को साधना की फलश्रुति के रूप में केवलज्ञान की प्राप्ति हुई जिसके बाद उन्होंने धर्मोपदेश देना प्रारंभ किया। लेकिन उस दिन सर्वथा पापरहित जीवन यानी दीक्षा लेने वाला कोई उपस्थित नहीं होने के कारण संघ स्थापना नहीं हुई। इस बात से संघ स्थापना एवं संचालन में साधु पद की महत्वपूर्ण भूमिका का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने अगले दिन यानी वैशाख शुक्ल 11 के दिन चतुर्विध संघ की स्थापना की जब इन्द्रभूति गौतम आदि प्रकाण्ड विद्वान 11 पंडितों ने अपने हज़ारों शिष्यों सहित दीक्षा जीवन अपनाया। उसी दिन भगवान महावीर स्वामी ने चतुर्विध संघ अर्थात साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका चार पदों की स्थापना कर उन्हें अनेक धार्मिक अधिकार सौंपे। किसी भी पद को मात्र सत्ता या अधिकार के रूप में मानने के बजाए उसे सेवा का अवसर और जिम्मेदारी निभाने का माध्यम मानना चाहिए। श्रावक पद स्वयं तीर्थंकरों द्वारा प्रदत्त एक गौरवशाली पद है जिसकी गरिमा उस पद के अनुरूप बताए गए आचार और व्यवहार के पालन में समाई हुई है। अतः प्रत्येक जैन गृहस्थ इस आचार संहिता के महत्व को समझकर सदाचारमय जीवन जीने का प्रयास करें तभी शासन स्थापना दिवस मनाने की सार्थकता होगी। समर उपधान समिति के सदस्य मनीष बालिया ने बताया कि यहां चल रहे समर उपधान तप के 18 दिवसीय प्रथम चरण की समाप्ति के बाद रविवार से दूसरे चरण अर्थात दूसरे अढ़ारिये में अनेक आराधक जुड़े।

बिशप काटन वीमेंस कॉलेज का वार्षिक खेल समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु।बिशप कॉटन वीमेंस क्रिश्चियन कॉलेज ने गत शुक्रवार को अपना 35वां वार्षिक खेल समारोह बड़े उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने जोशपूर्ण भागीदारी दिखाई और उत्कृष्ट खेल भावना का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या प्रोफेसर सुनीला कुमारी के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्राओं का स्वागत करते हुए व्यक्तित्व के समग्र विकास में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।ङ्गइस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती अनुशा उपस्थित रहीं, जो बेंगलूरु में बेस्काम विजिलेंस की सहायक पुलिस आयुक्त हैं तथा कॉलेज की प्रतिष्ठित पूर्व छात्रा भी हैं। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने छात्राओं को अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।ङ्गकार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मेजर (सेवानिवृत्त) डॉ. विजय कुमार गोपाल थे, जो एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्राओं को शैक्षणिक और शारीरिक फिटनेस के बीच संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा दी। खेल समारोह की शुरुआत एक दिन पूर्व इनडोर एवं मनोरंजक प्रतियोगिताओं जैसे थ्रोबॉल, कैरम (एकल एवं युगल) तथा अन्य गतिविधियों के साथ हुई।मुख्य दिवस पर रोमांचक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

छात्राओं ने दृढ़ता और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह एवं अतिथियों के प्रेरणादायक उद्बोधन के साथ हुआ। 35वां वार्षिक खेल समारोह अत्यंत सफल रहा।

बीजेएस कुन्नूर चेप्टर द्वारा करियर काउंसलिंग कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुन्नूर। यहां भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) कुन्नूरु चेप्टर द्वारा करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां अनुभवी काउन्सलर पायल चोरड़िया ने टीनएजर्स युवाओं को एआई से चलने वाली बदलती दुनिया में सही रास्ता कैसे चुने पर गाइड किया। यह सेशन बहुत दिलचस्प था, जिसमें इंटरैक्टिव राउंड थे, और इसमें छात्र छात्रों और अभिभावकों दोनों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। बीजेएस के सभी सदस्य महिला विंग अध्यक्ष शीतल मालू पुरुष विंग अध्यक्ष यश बरडिया और राज्य महिला विंग अध्यक्ष सरला बरडिया ने भी कार्यक्रम मे भाग लिया।

तेयुप के भक्ति संध्या कार्यक्रम में बहीं गुरु भक्ति की बयार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर व विजयनगर के सदस्यों द्वारा शनिवार रात को आचार्यश्री महाश्रमणजी के 53वें दीक्षा दिवस (युवा दिवस) के अवसर पर साधना से युक्त विशेष कार्यक्रम 'गुरु महाश्रमणोस्तु मंगलम-3.0' का आयोजन मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा भवन में किया गया। तुलसी संगीत सुधा एवं विजय स्वर संगम के सदस्यों द्वारा मंगलाचरण किया गया। परिषद के अध्यक्ष विक्रम महेर ने सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में वॉयस ऑफ बेंगलूरु प्रतियोगिता के विजेता रहे नूतन बेंगानी, सौरभ बैद एवं हर्ष पगारिया ने भजनों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को गुरुमय बनाया। सभी गायकों का सम्मान किया गया। इस मौके पर दिनेश मरोठी, आलोक छाजेड़, तेरापंथ सभा, महिला मंडल के सदस्य, तेयुप विजयनगर के मंत्री योगेश पोरवाल, उपाध्यक्ष प्रदीप बाबेल, तेयुप आरआरनगर के उपाध्यक्ष प्रवीण बैद, कोषाध्यक्ष विनीत सेठिया व अन्य सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन तेयुप आरआर नगर के मंत्री संदीप बैद ने किया। उपाध्यक्ष विपुल पितलिया ने धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.